

बारिश से किसानों की बढ़ी चिंता, फसलों पर मंडराया संकट

हरिद्वार, एजेंसी। बुधवार को क्षेत्र में घंटों तक हुई मूसलाधार बारिश से किसानों की चिंता बढ़ गई है। लगातार हो रही बारिश के कारण किसानों की नींद उड़ गई है। खेतों में बारिश का पानी भरने से पहले ही कई स्थानों पर फसलें जलमग्न हैं और खराब हो रही हैं। अब दोबारा तेज बारिश होने से खेतों में बची फसलों के भी खराब होने की आशंका बढ़ गई है। किसानों का कहना है कि उन्होंने कड़ी मेहनत के साथ काफी पैसा खर्च कर फसलें तैयार की हैं। बारिश के पानी में फसलें डूबने से उन्हें भारी नुकसान उठाना पड़ रहा है। किसान देशराज सैनी, सूरत सिंह, विपिन कुमार, सुलेमान, रमेश, मेघराज और सुशील कुमार ने बताया कि आने वाले दिनों में भी इसी तरह बारिश होती रही और खेतों में पानी भरा रहा तो धान, गन्ने और सब्जियों की फसलों को भारी नुकसान हो सकता है। इससे किसानों के सामने रोजी-रोटी का संकट खड़ा हो जाएगा। किसानों ने प्रशासन से फसलों को हुए नुकसान का सर्वे करकॉर उचित मुआवजा दिलाने की मांग की है। वहीं, नायब तहसीलदार अनिल कुमार गुप्ता ने बताया कि सूचना मिलने पर मौके पर जाकर बारिश के पानी से फसलों को हुए नुकसान का आकलन कराया जाएगा। इसके बाद संबंधित अधिकारियों को रिपोर्ट भेजी जाएगी।

वरिष्ठ नागरिकों ने जल-बिजली दरों में वृद्धि और समस्याओं पर जताई नाराजगी

हरिद्वार, एजेंसी। जल और बिजली की बढ़ती दरों के साथ ज्वालापुर रेलवे अंडरपास में जलभराव और हरिद्वार से मुरादाबाद के लिए सुबह यात्री ट्रेन नहीं होने समेत विभिन्न समस्याओं को लेकर वरिष्ठ नागरिक सामाजिक संगठन ने बैठक कर नाराजगी जताई। वक्ताओं ने कहा कि लंबे समय से अधिकारियों और सरकार के समक्ष समस्याएं उठाई जा रही हैं लेकिन समाधान नहीं होने से जनता को परेशानी उठानी पड़ रही है। ज्वालापुर इंटर कॉलेज प्रांगण में आयोजित बैठक में संगठन के अध्यक्ष चौधरी चरण सिंह एवं सदस्य विद्यासागर गुप्ता ने कहा कि जल मूल्य में हर साल होने वाली वृद्धि को रोकने की मांग लंबे समय से की जा रही है। इसके बावजूद अप्रैल से जल मूल्य में करीब पांच फीसदी की बढ़ोतरी कर दी गई। हरदयाल अरोड़ा ने कहा कि बिजली की दरों में लगातार बढ़ोतरी का संगठन पहले भी विरोध कर चुका है। इसके बावजूद एक सितंबर से बिजली की दरों में 24 पैसे से लेकर 67 पैसे तक की वृद्धि कर दी गई। एससीएस भास्कर ने कहा कि ज्वालापुर रेलवे अंडरपास में बारिश के दौरान पानी भरने से यातायात बाधित हो जाता है। अब तक स्थायी समाधान नहीं हुआ। राम सागर सिंह ने कहा कि सुबह के समय हरिद्वार रेलवे स्टेशन से मुरादाबाद जाने के लिए कोई यात्री ट्रेन नहीं है। सुभाष ग़्रोवर ने वृद्धावस्था पेंशन बढ़ाकर तीन हजार रुपये प्रतिमाह करने की मांग उठाई। बैठक में संतराम, हरगुलाल सिंह, विपिन गोयल, सोमपाल सागर, बाबूलाल, श्याम सिंह, रमेश मिश्रा, बीएम गुप्ता, जेएल आहूजा, शिव बचन आदि मौजूद रहे।

पर्यावरण संरक्षण के लिए हिमालय से बरेली तक लगा रहे दौड़

धारचूला, एजेंसी। हिमालय के संरक्षण और पर्यावरण के प्रति जन-जागरुकता का संदेश देने के उद्देश्य से भारतीय थल, जल, वायु सेना के पूर्व सैनिकों, सेवारत अधिकारी 500 किलोमीटर की दौड़ लगा रहे हैं। हम्पवीर-रन फॉर द हिमालयज अभियान में नौ धावक 500 किलोमीटर की दूरी तय करते हुए हिमालयी क्षेत्रों से बरेली तक दौड़ पूरी करेंगे। 10 दिनों तक चलने वाली इस दौड़ का उद्देश्य हिमालय को स्वच्छ, सुरक्षित रखने के प्रति लोगों में जागरुकता और सामूहिक जिम्मेदारी की भावना विकसित करना है। अभियान के दौरान धावक स्थानीय समुदायों से संवाद भी कर रहे हैं। धारचूला पहुंचने पर उन्होंने आर्मी स्कूल के विद्यार्थियों और पूर्व सैनिकों से मुलाकात कर अभियान के उद्देश्य और पर्यावरण संरक्षण के महत्व पर चर्चा की। फिट नागरिक, स्वच्छ हिमालय, सशक्त भारत के संदेश के साथ आयोजित यह अभियान हिमालय की प्राकृतिक विरासत के संरक्षण के लिए जनभागीदारी को प्रोत्साहित कर रहा है।

कुमाऊं विश्वविद्यालय में परीक्षाफल में देरी, छात्रों को प्रवेश में परेशानी

नैनीताल। कुमाऊं विश्वविद्यालय में स्नातक, स्नातकोत्तर और व्यावसायिक पाठ्यक्रमों के परीक्षाफल घोषित नहीं हो सके हैं। नया शैक्षणिक सत्र शुरू हो चुका है। इसके बावजूद कई विषयों के परिणाम लंबित हैं। इससे छात्रों को अगली कक्षाओं में प्रवेश लेने में भारी परेशानी हो रही है। विश्वविद्यालय के शैक्षणिक कैलेंडर के अनुसार, अधिकतर परिणाम जुलाई तक जारी हो जाने चाहिए थे लेकिन अगस्त का अंतिम सप्ताह तक भी कई पाठ्यक्रमों के परिणाम नहीं आए हैं। कई कॉलेजों में प्रवेश प्रक्रिया प्रभावित हुई है। छात्रों का भविष्य अधर में लटका है। उप परीक्षा नियंत्रक नंदन सिंह बिष्ट ने बताया कि शिक्षकों और कर्मचारियों के बड़े पैमाने पर स्थानांतरण हुए थे। इस प्रशासनिक फेरबदल के कारण कॉपीयों के मूल्यांकन में अधिक समय लगा। इसी वजह से कुछ मुख्य पाठ्यक्रमों के परिणाम समय पर घोषित नहीं हो सके। विश्वविद्यालय प्रशासन ने बचे हुए परीक्षाफलों को तैयार करने का काम जारी रखने का आश्वासन दिया है। इन्हें जल्द से जल्द आधिकारिक वेबसाइट पर जारी किया जाएगा। छात्रों को सलाह दी गई है कि वे नियमित रूप से वेबसाइट देखते रहें। यह देरी छात्रों के लिए चिंता का विषय बनी हुई है।

दो माह से डॉक्टर नहीं, एक हफ्ते से फार्मासिस्ट छुटी पर तो अस्पताल में लटका ताला

बेड़ीनाग (पिथौरागढ़)। जिले में चरमराती स्वास्थ्य व्यवस्था से मरीज बेहाल हैं। डॉक्टर और स्वास्थ्य कर्मियों की भारी कमी से अस्पताल पहुंच रहे रोगी इलाज के लिए भटक रहे हैं। इन दिनों यही हो रहा है बेड़ीनाग के होम्योपैथिक चिकित्सालय में। होम्योपैथिक अस्पताल में तैनात एकमात्र डॉक्टर दो महीने पूर्व सेवानिवृत्त हो गए थे। इनकी जगह नई तैनाती नहीं हुई। तब से अस्पताल फार्मासिस्ट के भरोसे चल रहा था। फार्मासिस्ट के भी छुट्टी पर चले जाने से अस्पताल में बीते एक सप्ताह से ताले लटके हैं। पुरानाथल, गणाई, गंगोलीहाट, पांखु, चौडमन्या सहित बागेश्वर और अल्मोड़ा के सीमावर्ती क्षेत्रों की बड़ी आबादी स्वास्थ्य सेवाओं के लिए इसी अस्पताल पर निर्भर है। रोजाना इन क्षेत्रों के 150 से अधिक लोग इलाज और दवा के लिए अस्पताल पहुंच रहे हैं लेकिन उन्हें निराश होकर लौटना पड़ रहा है। बेड़ीनाग के अतिरिक्त बागेश्वर और अल्मोड़ा की सीमा से लगे गांवों से बड़ी संख्या में लोग होम्योपैथिक अस्पताल पहुंचते हैं। अस्पताल के बंद होने से लोगों को परेशानी हो रही है। अस्पताल में शीघ्र ही डॉक्टर की तैनाती की जानी चाहिए।

कोटद्वार में मां-बेटी की नदी में बहने से मौत, पैठाणी क्षेत्र में महिला की तलाश जारी

पौड़ी, एजेंसी। उत्तराखंड के पौड़ी जिले में नदी के तेज बहाव से जुड़ी दो घटनाओं ने लोगों को झकझोर कर रख दिया. जहां पैठाणी क्षेत्र में एक महिला के पश्चिम नयार नदी में बहने की सूचना के बाद सर्च ऑपरेशन चलाया जा रहा है, तो वहीं कोटद्वार के स्नेह क्षेत्र में कोल्हू नदी पार करते समय डेढ़ साल की मासूम बच्ची और उसकी मां तेज बहाव की चपेट में आ गई. इस हादसे में मां-बेटी दोनों की मौत हो गई. पश्चिम नयार नदी में महिला के डूबने या बहने की आशंका: दरअसल, मंगलवार यानी 1 सितंबर को कानुनगो चमकीसैण विजेंद्र सिंह गुसाई ने पैठाणी पुलिस को एक सूचना दी. जिसमें उन्होंने बताया कि ग्राम पल्ली, बनास सरहद के अंतर्गत नागधार तोक क्षेत्र में रहने वाली 33 वर्षीय आशा देवी पत्नी दलवीर सिंह पश्चिम नयार नदी में डूबने या बहने की आशंका है. बताया गया कि महिला ने हरे रंग के कपड़े पहने हैं. सूचना मिलते ही थाना पैठाणी से अपर उपनिरीक्षक हरेंद्र सिंह गुसाई पुलिस बल और आपदा उपकरणों के साथ घटनास्थल के लिए रवाना हुए. महिला की तलाश के लिए



नदी किनारे सर्च ऑपरेशन शुरू किया गया. घटना की गंभीरता को देखते हुए एसडीआरएफ को भी सूचना दी गई. इसके साथ ही आसपास के थाना और चौकी क्षेत्रों को भी अलर्ट किया गया. पाबोी और सतपुली क्षेत्र की पुलिस को डीसीआर के माध्यम से अपने-अपने थाना क्षेत्र में नदी किनारे महिला की तलाश करने के निर्देश दिए गए हैं. पुलिस और राहत टीमों की ओर से नदी के किनारे लगातार सर्च अभियान चलाया जा रहा है. कोटद्वार में कोल्हू नदी पार करते समय मां-बेटी बहे: वहीं, कोटद्वार के स्नेह क्षेत्र में कोल्हू नदी का तेज बहाव एक परिवार पर कहर बनकर

टूटा. नदी पार करते समय डेढ़ साल की मासूम बच्ची अचानक अपनी मां की गोद से छूटकर तेज बहाव में बह गई. बेटी को बचाने के लिए मां ने भी नदी में छलांग लगा दी, लेकिन तेज बहाव के कारण वो भी बह गई. मौके पर मौजूद लोगों ने मां-बेटी को बचाने का प्रयास किया, लेकिन नदी का बहाव इतना तेज था कि दोनों को बचाया नहीं जा सका. सूचना मिलने के बाद पुलिस और एसडीआरएफ को टीम मौके पर पहुंची और व्यापक स्तर पर रेस्क्यू एवं सर्च ऑपरेशन शुरू किया. काफी दूर तक तलाश करने के बाद टीम ने नदी से मां-बेटी के शव बरामद कर लिए. मृतकों

वीर चंद्र सिंह गढ़वाली विवि भरसार में हॉर्टिकल्चर की छात्रा की मौत, आक्रोशित छात्रों का प्रदर्शन



पौड़ी, एजेंसी। भरसार कृषि विश्वविद्यालय में पढ़ाई कर रही 23 वर्षीय छात्रा की अचानक तबीयत बिगड़ने के बाद मौत हो गई। एम्स ऋषिकेश ले जाते समय रास्ते में छात्रा ने दम तोड़ दिया, जिसके बाद विवि परिसर में छात्रों का आक्रोश फूट पड़ा। वीर चंद्र सिंह गढ़वाली कृषि एवं औद्योगिकी विवि

भरसार में बीएससी चौथे वर्ष की हॉर्टिकल्चर छात्रा मधु यादव (23) की मौत हो गई। बताया जा रहा है कि पंतनगर निवासी मधु बीते तीन-चार दिनों से बीमार थीं और उनका विवि की डिस्पेंसरी में उपचार चल रहा था। हालत बिगड़ने

पर उन्हें पहले पाबोी और फिर जिला अस्पताल से श्रीनगर रेफर किया गया। श्रीनगर से छात्रा को एमएस ऋषिकेश रेफर किया गया था। बीते रविवार शाम करीब छह बजे ऋषिकेश ले जाते समय रास्ते में उनकी मौत हो गई। सोमवार को छात्रा की मौत की सूचना के बाद छात्रों ने विवि परिसर में प्रदर्शन किया।

मोतीचूर रेलवे स्टेशन पर हादसा; चलती ट्रेन में चढ़ने की कोशिश पड़ी भारी, युवक के दोनों पैर कटे

हरिद्वार, एजेंसी। बाड़मेर से ऋषिकेश जाने वाली बाड़मेर एक्सप्रेस सुबह 8:40 बजे मोतीचूर रेलवे स्टेशन पहुंची थी। इस दौरान विकास चलती ट्रेन में चढ़ने का प्रयास कर रहा था। इसी दौरान उसका संतुलन बिगड़ गया और वह ट्रेन की चपेट में आ गया। मोतीचूर रेलवे स्टेशन पर बुधवार की सुबह बड़ा हादसा हो गया। यहां चलती ट्रेन में चढ़ने के प्रयास में 22 वर्षीय युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे में युवक के दोनों पैर कटकर शरीर से अलग हो गए। गंभीर हालत में उसे हरिद्वार के सरकारी अस्पताल ले जाया



गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने उसे हॉयर सेंटर रेफर कर दिया। जानकारी के अनुसार, घायल युवक की पहचान विकास साह (22) पुत्र महेंद्र साह निवासी दारभंगा, बिहार के रूप में हुई है।

स्टेशन अधीक्षक एसके चौधरी ने बताया कि बाड़मेर से ऋषिकेश जाने वाली बाड़मेर एक्सप्रेस सुबह 8:40 बजे मोतीचूर रेलवे स्टेशन पहुंची थी। करीब 8:50 बजे ट्रेन के रवाना होने के दौरान विकास चलती ट्रेन में चढ़ने

का प्रयास कर रहा था। इसी दौरान उसका संतुलन बिगड़ गया और वह ट्रेन की चपेट में आ गया। हादसे में उसके दोनों पैर कट गए। घटना के तुरंत बाद स्टेशन अधीक्षक एसके चौधरी ने आरपीएफ जवानों, स्थानीय पुलिस और 108 एंबुलेंस को सूचना दी। सूचना मिलते ही एंबुलेंस मौके पर पहुंची और गंभीर रूप से घायल विकास को उपचार के लिए हरिद्वार के सरकारी अस्पताल ले जाया गया। अस्पताल में प्राथमिक उपचार के बाद उसकी गंभीर स्थिति को देखते हुए डॉक्टरों ने तत्काल हॉयर सेंटर रेफर कर दिया।

जिला अस्पताल में जांच के लिए सैपल लेने का समय एक घंटा बढ़ा, मरीजों को मिलेगी राहत

पिथौरागढ़, एजेंसी। अब जिला अस्पताल में दोपहर 12 बजे तक जांच के लिए सैपल लिए जाएंगे। इसके बाद ही मरीजों को निजी लैब भेजा जाएगा। इस फैसले से मरीजों को राहत मिलने के साथ ही अस्पताल की आय बढ़ने की उम्मीद है। जिला अस्पताल में रोजाना औसतन 800 से अधिक ओपीडी हो रही है। करीब 75 प्रतिशत मरीजों को रात, मध्य राहति अन्य जांचों की सलाह डॉक्टर दे रहे हैं। जिला अस्पताल में आंतरिक लैब तो है लेकिन इसमें जांच के लिए 11 बजे तक ही सैपल लिए जा रहे हैं। इसके बाद मरीजों को अस्पताल में ही संचालित निजी लैब भेजा जा रहा है। जांच के एवज में निजी लैब को सीधे शासन से धनराशि मिल रही है। निजी लैब में अधिक जांच होने से उसे अच्छा मुनाफा हो रहा है तो आंतरिक लैब में कम सैपल लेने से अस्पताल की आय प्रभावित हो रही है। आंतरिक लैब में 40 तो निजी लैब में 60 फीसदी जांच हो रही है। आंतरिक लैब में हो रही जांचों पर भरोसा जताने के बाद भी मरीजों के लिए 11 बजे बाद निजी लैब जाना मजबूरी है। ऐसे में स्वास्थ्य विभाग को आंतरिक लैब में सैपल लेने का समय बदलना पड़ा है। अब जिला अस्पताल की आंतरिक लैब में दोपहर 12 बजे तक सैपल लेने के निर्देश जारी हुए हैं। कुछ देर बाद ही मरीजों को रिपोर्ट भी मिलेगी। इस व्यवस्था से मरीजों को राहत मिलेगी तो न्यूनतम शुल्क लेने से अस्पताल की आय भी बढ़ेगी। पिथौरागढ़। निजी लैब में आयुष्मान योजना के तहत निशुल्क जांच की सुविधा है। आयुष्मान कार्ड धारकों की जांच के एवज में निजी लैब को शासन से धनराशि मिल रही है। अब तक निजी लैब में आधार कार्ड के जरिये हर मरीज की निशुल्क जांच की जा रही थी इसमें नेपाल के मरीज भी शामिल थे। अब आयुष्मान कार्ड धारक को ही निशुल्क जांच की सुविधा देने की फैसला लिया गया है। ऐसे में नेपाल के मरीजों को निजी लैब में जांच के लिए शुल्क देना होगा।

दस दिन का आश्वासन पूरा, समाधान नहीं हुआ तो फिर टंकी पर चढ़े छात्र; समर्थन में आई कांग्रेस

ऋषिकेश, एजेंसी। छात्रों का कहना है कि पिछले पांच वर्षों से परीक्षा और परिणाम को लेकर स्थिति स्पष्ट नहीं है। इससे बड़ी संख्या में बीएसएमएस छात्रों का शैक्षणिक भविष्य प्रभावित हो रहा है।उत्तराखंडआयुर्वेदविश्वविद्यालय के कुलपति की ओर से समस्याओं के समाधान के लिए दिए गए 10 दिन के लिखित आश्वासन की अवधि पूरी होने के बावजूद कार्रवाई नहीं होने से छात्रों का गुस्सा फिर फूट पड़ा। बुधवार को हरावाला स्थित विश्वविद्यालय परिसर में बीएसएमएस के पांच छात्र पानी की टंकी पर चढ़ गए और लंबित परीक्षाओं, रुके परीक्षा परिणाम और इंटरनैशप शुरू कराने की मांग को लेकर प्रदर्शन किया। पानी की टंकी पर चढ़कर प्रदर्शन किया था। उस दौरान चार छात्र-छात्राएं करीब साढ़े 14 घंटे तक



नीचे नहीं उतरेंगे। छात्रों का कहना है कि पिछले पांच वर्षों से परीक्षा और परिणाम को लेकर स्थिति स्पष्ट नहीं है। इससे बड़ी संख्या में बीएसएमएस छात्रों का शैक्षणिक भविष्य प्रभावित हो रहा है। इससे पहले 24 अगस्त को भी छात्रों ने छात्रों ने स्पष्ट किया कि जब तक उनकी समस्याओं के समाधान को लेकर ठोस कार्रवाई नहीं होती, वे

टंकी पर डटे रहे थे। इनमें तीन छात्र और एक छात्रा शामिल थी। छात्रों के पास पेट्रोल की बोतल होने की सूचना के बाद प्रशासन और पुलिस में भी हड़कण मच गया था। प्रदर्शन के दौरान देर रात प्रशासनिक अधिकारियों की मौजूदगी में छात्रों और विश्वविद्यालय प्रशासन के बीच वार्ता हुई थी। एसडीएम डोईवाला

की मौजूदगी में कुलपति की ओर से छात्रों को समस्याओं के निस्तारण का लिखित आश्वासन दिया गया था। आश्वासन मिलने के बाद ही छात्र टंकी से नीचे उतरें थे। विश्वविद्यालय प्रशासन की ओर से समस्याओं के समाधान के लिए 10 दिन की समयसीमा बताई गई थी। मंगलवार को समयसीमा समाप्त हो गई थी। छात्रों का आरोप है कि 10 दिन की अवधि पूरी हो जाने के बावजूद उनकी मांगों पर अपेक्षित कार्रवाई नहीं हुई। न तो लंबित परीक्षा और परिणाम को लेकर स्थिति साफ हुई और न ही इंटरनैशप शुरू होने को लेकर ठोस निर्णय सामने आया। इससे नाराज छात्रों ने बुधवार को एक बार फिर आंदोलन का रास्ता अपनाया और पांच छात्र पानी की टंकी पर चढ़ गए। प्रदर्शनकारी छात्रों का कहना

है कि परीक्षा और परिणाम में लगातार हो रही देरी से उनकी पढ़ाई के साथ-साथ आगे की शिक्षा, इंटरनैशप और करियर की योजनाएं प्रभावित हो रही हैं। छात्रों ने विश्वविद्यालय प्रशासन से मांग की है कि केवल आश्वासन देने के बजाय उनकी समस्याओं के समाधान की स्पष्ट समयसीमा और कार्रवाई सार्वजनिक की जाए। छात्रों के आंदोलन को कांग्रेस ने भी समर्थन दिया। छात्रों के पानी की टंकी पर चढ़ने की सूचना पर कांग्रेस कार्यकर्ता मौके पर पहुंचे और उनके आंदोलन के समर्थन में आवाज बुलंद की। कांग्रेस जिलाध्यक्ष मोहित उनियाल ने पुलिस पर प्रदर्शन कर रहे छात्रों के साथ लाठीचार्ज करने का आरोप लगाया। इस दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं की कोतवाल राकेश गुसाई के साथ तीखी नोकझोंक भी

सूचना दी. सूचना मिलते ही रायपुर थाना पुलिस मौके पर पहुंची. इसके बाद एसडीआरएफ और फायर ब्रिगेड की टीमों को भी मौके पर बुलाया गया. बच्चे की तलाश के लिए रेस्क्यू अभियान चलाया जा रहा है. पुलिस के मुताबिक, 112 कंट्रोल रूम के माध्यम से बच्चे के नहर में गिरने की सूचना मिली थी. सूचना पर रायपुर पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे. एसडीआरएफ और फायर ब्रिगेड की टीमें नहर में बच्चे की तलाश कर रही हैं. हालांकि, अभी तक बच्चे का कोई पता नहीं चल पाया है. लापता बच्चे की पहचान केपी पुत्र सोनू लाल (उम्र 10 वर्ष) निवासी बालावाला के रूप में हुई है.

बच्चे का स्थायी पता ग्राम पीपरोला कुंवरपुर, लखीमपुर (उत्तर प्रदेश) बताया गया है. पुलिस की मांने तो बच्चा शारीरिक रूप से दिव्यांग है. बच्चे के माता-पिता मजदूरी का काम करते हैं. बता दें कि प्रेताप ने गिरा, तलाश जारी: रायपुर थाना क्षेत्र के बालावाला स्थित गुनर घाटी रोड पर एक 10 साल का बच्चा नहर में गिर गया. आनन-फानन में स्थानीय लोगों ने पुलिस को

रोपवे संचालन के लिए बनेंगे नियम, केदारनाथ-हेमकुंड साहिब परियोजनाओं में तैनात होंगे नोडल अधिकारी

लिवित प्रक्रियाओं, भूमि संबंधी प्रकरणों को आपसी समन्वय व प्राथमिकता के आधार पर समाधान करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा, पर्वतीय क्षेत्रों में रोपवे कनेक्टिविटी प्रदेश की पर्यटन व यातायात व्यवस्था को नई दिशा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। सभी परियोजनाओं में समयबद्धता, गुणवत्ता व आपसी समन्वय पर विशेष ध्यान देते हुए उन्हें धरातल पर उतारने की दिशा में तेजी से कार्य किया जाए। रोपवे परियोजनाओं में पार्किंग सुविधा को अनिवार्य रूप से शामिल किया जाए, जिससे पर्यटकों व स्थानीय लोगों को बेहतर यातायात सुविधा उपलब्ध हो सके। मुख्य सचिव ने नैनीताल क्षेत्र की रोपवे परियोजनाओं की समीक्षा के दौरान रानीबाग-ज्योलीकोट-हनुमानगढ़ी-कैचीधाम और रानीबाग-भीमताल-भवाली रोपवे

परियोजनाओं में नेशनल हाइवेज लिमिटेड (एनएचएलएमएल) व उत्तराखंड मेट्रो रेल, अर्बन इंफ्रास्ट्रक्चर एंड बिल्डिंग कंस्ट्रक्शन कॉर्पोरेशन लिमिटेड को आपसी तालमेल बनाने के निर्देश दिए। कहा कि यूकेएमआरसी के प्रोजेक्ट के फाइनल अप्रूवल की प्रक्रिया शीघ्र पूरी करने के साथ ही फाइनल डीपीआर तथ्यांक की प्रक्रिया को भी पूरी करें। मुख्य सचिव ने पर्यटन विभाग की परियोजनाओं जोशीमठ-औली-गोरसों, रैथल-बारसू, पुरुकुल-मसूरी रोपवे परियोजनाओं की समीक्षा की। इसके साथ ही उन्होंने यमुनोत्री-जानकी चट्टी, हनुमानचट्टी-पूर्णागिरि, तपोवन-कुंजपुर रोपवे परियोजनाओं की जानकारी ली। बैठक में सचिव धीराज सिंह गर्बुवाल, अपर सचिव विनीत कुमार सहित अन्य मौजूद रहे।

पुरानी होने से रास्तों में जवाब दे रही हरिद्वार रोडवेज की बसें

हरिद्वार, एजेंसी। उत्तराखंड परिवहन निगम (निगम) रोडवेज की पुरानी बसें लंबे रूटों पर यात्रियों के लिए परेशानी का सबब बन रही हैं। बसों की उम्र बढ़ने के साथ ही इनमें तकनीकी खराबियां भी बढ़ रही हैं। हालत यह है कि राजस्थान और उत्तर प्रदेश के लंबे रूटों पर चलने वाली कई बसें रास्ते में खराब हो रही हैं। इससे यात्रियों को बीच सफर में परेशानी उठानी पड़ रही है। हरिद्वार डिपो के पास वर्तमान में करीब 90 बसें का बेड़ा है जबकि इससे पहले करीब 110 बसें थीं। कुछ बसें ऑक्शन कर दी गई जबकि कुछ चलन से बाहर हो गईं। शेष बसें भी पुरानी हो चली हैं। ऐसे में अक्सर रास्तों में बसें जवाब दे रही हैं। हाल ही में हरिद्वार से राजस्थान के पुष्कर जाने वाली रोडवेज बस के भी पिछले 15 दिन से तकनीकी खराबी के चलते वर्कशॉप में खड़ी होने की बात सामने आई थी। इसके अलावा भी यूपी के लंबे रूट की कई बसों की ऐसी ही स्थिति है। रोडवेज सूत्रों के मुताबिक राजस्थान के अन्य जिलों और उत्तर प्रदेश के लंबे रूटों पर संचालित कई पुरानी बसें में भी लगातार तकनीकी दिक्कतें सामने आ रही हैं। इनमें इंजन, ब्रेक और अन्य तकनीकी खराबियों के चलते कई बार बसों को रास्ते में रोकना पड़ रहा है। कई बसें खराब होने के बाद वर्कशॉप पहुंच रही हैं। बसों की कमी के बीच उपलब्ध बसों को लगातार लंबे रूटों पर चलाया जा रहा है। वहीं, हरिद्वार डिपो के सहायक महाप्रबंधक विशाल चंद्रा का कहना है कि जल्द ही नई बसें मिलने वाली हैं। इसके बाद सभी रूटों पर संचालन शुरू कर दिया जाएगा।

17 सितंबर को होगा ऑनलाइन अंतरिक्ष क्रांति उत्सव

पिथौरागढ़, एजेंसी। इंडिया स्पेस वीक नई दिल्ली की ओर से जिले में ऑनलाइन अंतरिक्ष क्रांति उत्सव का आयोजन 17 सितंबर को किया जाएगा। कुमाऊं नोडल सेंटर के समन्वयक नवल चंद्र जोशी ने बताया कि कार्यक्रम में अंतरिक्ष नवाचार, सैटेलाइट, रॉकेट एडवांस्ड ड्रोन टेक्नोलॉजी, रोबोटिक्स, खगोल विज्ञान संबंधित नवाचार प्रदर्शनी, निबंध लेखन, चित्रकला और कलरिंग आदि प्रतियोगिता का आयोजन होगा। इसकी थीम अंतरिक्ष विकास भारत के भविष्य को अधिक उज्ज्वल एवं आत्मनिर्भर बनाएगा विकसित भारत 2047 है। उन्होंने कहा कि इससे बच्चों में नवाचार, वैज्ञानिक शिक्षा सोच विकसित होगा।स्कूल, कॉलेजों के विद्यार्थी के माध्यम से उत्सव में ऑनलाइन प्रतिभाग कर सकेंगे। अधिक जानकारी के लिए 7579 448 395 पर संपर्क किया जा सकता है।

हुई। कांग्रेस जिलाध्यक्ष मोहित उनियाल ने आरोप लगाया कि अपनी जायज मांगों के लिए आंदोलन कर रहे छात्रों के साथ पुलिस से बल प्रयोग किया। उन्होंने कहा कि छात्रों की समस्याओं का समाधान करने के बजाय उन्हें दबावे का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने विश्वविद्यालय प्रशासन से छात्रों की मांगों पर तत्काल कार्रवाई करने की मांग की। मौके पर पहुंचे कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने छात्रों से बातचीत कर उनके आंदोलन को समर्थन दिया। इस दौरान पुलिस और कांग्रेस कार्यकर्ताओं के बीच माहौल गरमा गया। कांग्रेस नेताओं और कोतवाल राकेश गुसाई के बीच छात्रों पर कार्रवाई को लेकर तीखी बहस हुई। दोनों पक्षों के बीच काफी देर तक नोकझोंक होती रही।

संक्षिप्त खबरे

दिल्ली के यमुना विहार में चार दिन से पानी का संकट, फटी पाइपलाइन से लोंग बैजल

नई दिल्ली। दिल्ली के यमुना विहार क्षेत्र में पिछले चार दिनों से पानी की आपूर्ति बाधित होने के कारण स्थानीय लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। क्षेत्र में दिल्ली जल बोर्ड की पुरानी पाइपलाइन फटने से क्षेत्र में पानी की किल्लत है। गर्मी के बीच पानी नहीं मिलने से लोगों का बुरा हाल है और उन्हें रोजमर्रा की जरूरतें पूरी करने के लिए दूसरे इलाकों से पानी लाना पड़ रहा है। माधान नहीं होने से लोगों में नाराजगी यमुना विहार बी ब्लाक क्षेत्र में पुरानी पाइपलाइन पिछले कुछ समय से जर्जर हालत में थी। यह आठ फीट गहरी व मुख्य पानी की लाइन है। इसे ठीक करने पर जल बोर्ड के पसीने छूट रहे हैं। जल बोर्ड ने पानी लाना पड़ रहा है। चार दिन बीत जाने के बावजूद समस्या का स्थाई समाधान नहीं होने से लोगों में नाराजगी है। कई परिवारों को पीने के पानी के साथ-साथ खाना बनाने, कपड़े धोने और अन्य घरेलू कामों के लिए भी परेशानी झेलनी पड़ रही है। जल बोर्ड से मांग की है कि पाइपलाइन की तत्काल मरम्मत करकार पानी की आपूर्ति बहाल की जाए। साथ ही, पुरानी और जर्जर पाइपलाइन को बदलने की भी मांग की गई है, ताकि बार-बार होने वाली इस तरह की समस्या से लोगों को राहत मिल सके। चार दिन से पानी की एक बूंद नहीं आई है। पीने का पानी बाजार से खरीदना पड़ रहा है। पानी न होने की वजह से घर में बर्तन व कपड़े नहीं धुल रहे हैं। - आरएस धामा, अध्यक्ष आरडब्ल्यूए चार दिन से पानी न होने से क्षेत्र में हाहाकार है। पानी न होने से लोग इस गर्मी में नहा भी नहीं पा रहे हैं। बाजार से पीने के पानी की बोतलें खरीदी पड़ रही हैं। - महिपाल माली, स्थानीय निवासी पुरानी लाइन की मरम्मत होना आसान नहीं था। इसकी जगह नई लाइन डाली जा रही है। शुक्रवार से क्षेत्र में पानी पहुंचना शुरू हो जाएगा। - अजय महावर, विधायक घोडा

एक भी पात्र मतदाता का नाम नहीं कटेगा, दिल्ली मतदाता सूची पर सीईओ ने दिलाया भरोसा

नई दिल्ली। दिल्ली में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के बाद जारी मसौदा मतदाता सूची को लेकर उठ रहे सवालों पर मुख्य निर्वाचन अधिकारी कार्यालय ने मतदाताओं को राहत देते हुए भरोसा दिलाया है। कार्यालय ने जारी बयान में कहा कि एक भी पात्र मतदाता का नाम सूची से नहीं कटेगा। घर-घर सत्यापन के दौरान अनुपस्थित, स्थानांतरित, मृत और दोहरे मतदाताओं को एएसडीडी श्रेणी में चिह्नित किया गया है। 30 सितंबर तक दाखिल कर सकते हैं। आपत्तियां सीईओ ने आगे कहा, गणना प्रपत्र उपलब्ध न होने वाले मामलों की मृत्यु, अनुपस्थित/अनदृष्टेबल, स्थाई रूप से स्थानांतरित, पहले से नामांकित और अन्य पांच श्रेणियों में रखा गया है। जिन मतदाताओं का नाम छूट गया है, वे 30 सितंबर तक दावे-आपत्ति दाखिल कर सकते हैं। अंतिम मतदाता सूची 4 नवंबर को प्रकाशित होगी। एउड़ कार्यालय ने कांग्रेस और आप के पत्रों का भी दिया जवाब मुख्य निर्वाचन अधिकारी कार्यालय ने कांग्रेस और आम आदमी पार्टी की ओर से उठाई हुई आपत्तियों और चिंताओं का भी जवाब दिया है। दोनों को अलग-अलग पत्र के माध्यम से उनके हर सवाल का जवाब आयोग ने विस्तार से दिया है।

कथक के जरिए भगवान कृष्ण की बाल लीलाओं का मंचन

नई दिल्ली। जन्माष्टमी के अवसर पर वरिष्ठ कथक नृत्यांगना डॉ. उमा शर्मा और उनके शिष्यों ने इंडिया इंटरनेशनल सेंटर में 22वां वार्षिक राम-श्याम कार्यक्रम प्रस्तुत किया। कृष्ण लीजेंड पर आधारित इस प्रस्तुति में कथक, अभिनय, संगीत और नृत्य के जरिए भगवान कृष्ण की बाल लीलाओं और भगवान राम के चरित्र को मंच पर जीवंत किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत डॉ. उमा शर्मा की बनाई लघु फिल्म श्री-राधा की स्क्रीनिंग से हुई। इसके बाद उन्होंने टुमरी पर भावपूर्ण अभिनय प्रस्तुत किया। उनके शिष्यों ने रामायण और महारास लीला की चुनिंदा प्रस्तुतियां दीं। गोवर्धन लीला, दशकन चोरी और कालिया मर्दन ने दर्शकों को विशेष रूप से आकर्षित किया। कथक की जुड़ाओं और बाल-अभिनय के जरिए कृष्ण के भाव स्वल्प और उनकी दिव्य शक्ति को दिखाया गया।महारास लीला में राधा-कृष्ण के प्रेम और भक्ति के भावों को सुंदर ढंग से प्रस्तुत किया गया। वहीं रामायण के पंचवटी वर्णन ने भगवान राम के मर्यादित और अनुशासित स्वल्प को सामने रखा। कार्यक्रम में डॉ. विनय राव राम, डॉ. सुरेश के. गोपाल, पं. शुभेंद्र राव और गुरु शैरॉन लोवेन समेत कई गणमान्य लोग मौजूद रहे।

72 घंटे में गिरफ्तार होगा स्वतंत्र, सीजेपी की मांग दिल्ली पुलिस को मंजूर; सांसद चंद्रशेखर बोले- निशु को मिले न्याय

नई दिल्ली, प्रातः किरण संवाददाता

नई दिल्ली। काँकरेच जनता पार्टी (सीजेपी) ने शुक्रवार को दिल्ली में संसद मार्ग थाने पर धरना दिया है। सीजेपी नेता सौरव दास और आशुतोष रांका अपने समर्थकों के साथ पुलिस स्टेशन पहुंचे और निशु के लिए न्याय की मांग की। सांसद चंद्रशेखर आजाद भी सीजेपी के समर्थन में पहुंचे हैं। दिल्ली पुलिस ने मान ली मांग सीजेपी की निशु आजाद के वकील, AICC लॉ डिपार्टमेंट के ऋषव रंजन ने बताया कि आज पुलिस के साथ मीटिंग हुई। मीटिंग में एडिशनल DCP मंजीत शर्मा की मौजूदगी में हमने मौजूदा FIR में हत्या की कोशिश, किमिल धमकी और SC/ST एक्ट की संबंधित धाराएं जोड़ने की मांग की हैं। ऋषव रंजन के अनुसार, पुलिस हमारी मांग के लिए मान गई है। हमने मांग की है कि निशु को दी जा रही ऑनलाइन धमकियों



के खिलाफ एक अलग FIR दर्ज की जाए। दिल्ली पुलिस ने भरोसा दिलाया है कि वे उसे (स्वतंत्र भारद्वाज) आज या 72 घंटे के अंदर गिरफ्तार कर सकते हैं। हमने उन अकाउंट्स की लिस्ट दी है, जिनके जरिए निशु मान गई है। हमने मांग की है कि निशु को दी जा रही ऑनलाइन धमकियों

का कहना है कि जब स्वतंत्र भारद्वाज को गिरफ्तार नहीं किया जाएगा, वे धरने से नहीं उठेंगे। उनका कहना है कि वे निशु आजाद और उनके पिता संजय को न्याय दिलाकर रहेंगे। SC/ST एक्ट की धाराएं जोड़ी जाएं CJP नेता सौरव दास और आशुतोष रांका, इंडियन यूथ कांग्रेस दिल्ली

12 चोरी के वाहन बरामद शातिर वाहन चोर गिरफ्तार

प्रातः किरण मनोज जैन

नई दिल्ली। उत्तर-पूर्वी जिले में वाहन चोरी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान में एएटीएस ने 22 वर्षीय सलमान को गिरफ्तार कर 12 चोरी की मोटरसाइकिलें बरामद की हैं। पुलिस ने इन बरामदगी के दयालपुर, भजनपुरा, मधु विहार, फर्श बाजार, मानसरोवर पार्क, सीमापुरी, सिविल लाइंस और शकरपुर थाना क्षेत्रों में दर्ज वाहन चोरी के 12 मामलों का खुलासा किया है। एएटीएस प्रभारी निरीक्षक दीपक पांडेय के नेतृत्व में टीम ने एक सितंबर को भागीरथी विहार में सलमान को सौंदर्य मोटरसाइकिल के साथ पकड़ा। पृष्ठछाछ और उसकी निशानदेही पर 11 अन्य चोरी के वाहन बरामद हुए। पुलिस के मुताबिक आरोपी पहले भी चोरी, झपटमारी और शस्त्र अधिनियम के 17 मामलों में शामिल रहा है। मामले की जांच जारी है।



शाहदरा। सीमापुरी थाना पुलिस की क्लैक टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मोबाइल झपटमारी में शामिल दो सक्रिय आरोपियों अरमान (24) और अरमान अहमद अमन (24) को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से झपटमारी के तीन मोबाइल फोन, जिनमें आईफोन 15 प्रो मैक्स और सैमसंग एफ16 शामिल हैं, तथा वारदात में इस्तेमाल स्कूटी बरामद की गई है। पुलिस के अनुसार, 2 सितंबर को करुणा अस्पताल, दिलशाद गार्डन के पास मोबाइल झपटमारी की पीसीआर कॉल मिली थी। मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई। क्लैक टीम ने घटनास्थल और आरोपियों के भागने के रास्ते के सीसीटीवी फुटेज खंगाले तथा तकनीकी निगरानी के जरिए दोनों आरोपियों की पहचान कर 3 सितंबर

दावन चंद्रोदय मंदिर ने गुरुग्राम को किया कृष्णमय, भजन-कीर्तन पर झूमे श्रद्धालु

●जन्माष्टमी महोत्सव में गुंजा रहे कृष्ण महामंत्र, विशेष महाभिषेक और पालकी यात्रा बनी आकर्षण का केंद्र

नई दिल्ली। वृंदावन चंद्रोदय मंदिर की ओर से दि निकुंज प्रिंसेज हॉल में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाई गई। कार्यक्रम में भजन-कीर्तन, श्रीकृष्ण लीला की प्रस्तुतियों, झांकियों और विशेष महाभिषेक ने श्रद्धालुओं को भक्तिमय वातावरण में सराबोर कर दिया। पूरा कार्यक्रम स्थल ह्दहरे कृष्ण हरे कृष्ण, कृष्ण कृष्ण हरे हरे, हरे राम हरे राम,राम राम हरे हरे,ह्र्द ह्र्द के आनंद भयोह्र्द, ह्र्दजय कन्हैया लाल कीह्र्द और ह्र्दहाथी घोड़ा पालकी, जय कन्हैया लाल कीह्र्द जैसे जयघोषों से गुंजता रहा। कार्यक्रम की शुरूआत लड्डू गोपाल के विशेष अभिषेक से हुई। श्रद्धालुओं ने श्री राधा-कृष्ण को झुला झुलाकर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। विशेष महाभिषेक में पंचामृत, फलदोहक, गंधोदक तथा औषधियों और जड़ी-बूटियों से अभिषेक किया गया। इसके बाद भगवान को हल्दी का लेप लगाया गया और आरती की गई। 108



कलश शुद्धोदक अभिषेक के साथ नौ विशेष कलश अभिषेक और अंत में पुष्पाभिषेक किया गया। अभिषेक के बाद भगवान को नए पोशाक धारण कराए गए और महाभोग अर्पित किया गया। भजनों पर झूमे श्रद्धालु जन्माष्टमी समारोह में ध्रुव शर्मा-स्वर्णश्री की भजन मंडली ने श्रीकृष्ण लीला का गुणगान किया। भजनों के दौरान श्रद्धालु नृत्य करते नजर आए। गौड़ीय कीर्तन और महामंत्र कीर्तन ने पूरी वातावरण में भक्ति और उत्साह का संचार किया। मंदिर के स्वयंसेवकों ने भी कृष्ण भजनों की प्रस्तुति दी। आयोजन के दौरान श्रद्धालुओं ने भक्ति गीतों के साथ श्रीकृष्ण के जयकारे लगाए। वृंदावन चंद्रोदय मंदिर की

दिखाई गई झलक कार्यक्रम के दौरान वीडियो के माध्यम से श्रद्धालुओं को वृंदावन में निर्माणधीन वृंदावन चंद्रोदय मंदिर के निर्माण कार्य की जानकारी दी गई। वृंदावन में भगवान श्रीकृष्ण को समर्पित वृंदावन चंद्रोदय मंदिर का निर्माण किया जा रहा है। प्रस्तावित 70 मंजिला मंदिर की ऊंचाई 210 मीटर होगी। मंदिर का पहला साउथ विंग बनकर तैयार हो चुका है और पहले ब्लॉक में राधा-कृष्ण की मूर्तियां स्थापित की जा चुकी हैं। मंदिर की कल्पना श्रील प्रभुपाद ने की थी। वहीं, गुरुग्राम के सेक्टर-43 में बन रहा श्री हरे कृष्ण मंदिर 108 फीट ऊंचा होगा और 50 हजार वर्ग गज में इसका निर्माण किया जा रहा है। हरे कृष्ण

दो महिला यूट्यूबर्स का दावा- दिल्ली पुलिस ने थाने में बुरी तरह पीटा, अधिकारी बोले- झूठे हैं सारे आरोप

नई दिल्ली। दक्षिण दिल्ली के साकेत थाने में दो महिला यूट्यूबरों द्वारा पुलिसकर्मियों पर मारपीट करने का गंभीर आरोप लगाया गया है। हालांकि, दिल्ली पुलिस ने इन सभी आरोपों को सिरि से खारिज करते हुए इन्हें तथ्यहीन और ग्राभक करार दिया है। यूट्यूबर्स का क्या है दावा? पीड़ित महिला यूट्यूबर्स के अनुसार, वे साकेत स्थित मैक्स अस्पताल के एक नए विंग के उद्घाटन कार्यक्रम की कबरेज करने गई थीं, जहां केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा कुप्ता मौजूद थीं। सोशल मीडिया पर जारी एक वीडियो में उन्होंने आरोप लगाया कि वे मुख्यमंत्री से सवाल पूछना चाहती थीं, तभी उन्हें हिरासत में ले लिया गया और साकेत थाने ले जाया गया। कमरे में ले जाकर पीटने का आरोप महिलाओं का आरोप है कि थाने के अंदर एक कमरे में ले जाकर पुलिसकर्मियों ने उनके साथ मारपीट की, उनसे उनके समुदाय के बारे में पृष्ठछाछ की और उनके साथ दुर्व्यवहार किया। सोशल मीडिया पर कुछ ऐसे वीडियो भी सामने आए हैं जिनमें दोनों महिलाएं अपने शरीर पर चोट के निशान दिखाती नजर आ रही हैं। उनके वकील ने भी इस संबंध में शिकायत दर्ज कराई है।दिल्ली पुलिस का रुख और सफाई दिल्ली पुलिस ने इन आरोपों को पूरी तरह नकार दिया है। पुलिस का कहना है कि दोनों महिलाओं ने अपनी स्कूटी को वीवीआईपी सुरक्षा रूट के पास पार्क करके रास्ते में बाधा डाली थी। महिलाओं के पास कोई पहचान पत्र नहीं था और बार-बार सुरक्षा कार्गों से गाड़ी हटाने को कहने के बावजूद वे नहीं मांहीं। यही नहीं पुलिस ने गर्भवती महिला पुलिसकर्मियों से हाथपाई का भी आरोप लगाया है। पुलिस का कहना है कि गर्भवती महिला पुलिस अधिकारी के साथ हाथपाई के बाद ही उन्हें पृष्ठछाछ के लिए साकेत थाने लाया गया था। हिरासत से पुलिस का इनकार पुलिस ने स्पष्ट किया कि महिलाओं को थाने में बंधक बनाकर नहीं रखा गया था। उन्हें 5 से 10 मिनट में ही जाने के लिए कह दिया गया था, लेकिन वे खुद ही वहां से नहीं गईं। दक्षिण दिल्ली के डीसीपी अनंत मित्तल ने कहा कि मुख्यमंत्री से सवाल पूछने को लेकर मारपीट के दावे पूरी तरह गलत और निराधार हैं। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे बिना पुष्टि की गई जानकारी को सोशल मीडिया पर न फैलाएं। पत्रकार संगठनों और राजनीतिक दलों की प्रतिक्रिया हालांकि, घटना के बाद विभिन्न पत्रकार संगठनों जैसे प्रेस क्लब ऑफ इंडिया, इंडियन यूनिंग्स प्रेस कॉर्प्स, दिल्ली यूनिन ऑफ जर्नलिस्ट्स ने कथित मारपीट की कड़ी निंदा की है। उन्होंने दिल्ली पुलिस आयुक्त से मामले की निष्पक्ष जांच और दोषी पुलिसकर्मियों (एसएचओ समेत) के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

मोबाइल झपटमारी के दो आरोपी गिरफ्तार, तीन मोबाइल व वारदात में इस्तेमाल स्कूटी बरामद

प्रातः किरणः मनोज जैन



को उन्हे दबोच लिया। आरोपियों की निशानदेही पर सैमसंग एफ16, आईफोन 15 प्रो मैक्स और एथ इनफिनक्स मोबाइल बरामद हुआ। साथ ही काले रंग की हीरो जूम स्कूटी भी बरामद की गई। पुलिस ने सीमापुरी थाने के दो मामलों और सीलमपुर थाने के एक ई-एफआईआर मामले का खुलासा किया है। बरामद इनफिनक्स फोन की कड़ी अन्य घटनाओं से जोड़ने

कि दिल्ली में अब हालात ऐसे हैं कि अपराधी खुलेआम जुर्म कबूल कर रहा है। लेकिन दिल्ली पुलिस ने बीजेपी के कहने पर कोई कार्रवाई नहीं की। उन्होंने कहा, हम निशु और उसके पिता के साथ खड़े हैं। हम पुलिस से हत्या का केस दर्ज करने की मांग करेंगे। फिलहाल सीजेपी नेता के पुलिस स्टेशन पहुंचने के मामले में दिल्ली पुलिस की ओर से कोई जवाब नहीं आया है। उधर, CJP के विरोध प्रदर्शन के दौरान छात्र कार्यकर्ता निशु आजाद के पिता संजय कुमार पर हमले के आरोपी और स्वयंभू इम्प्लूएंसर स्वतंत्र भारद्वाज का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ है, जिससे राजनीतिक घमासान मचा है। भारद्वाज ने सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो में यह दावा किया है कि दिल्ली के मंत्री कपिल मिश्रा के एक फोन कॉल की वजह से वह जेल जाने से बच गए।

निगम समितियों के साथ मिलकर बेहतर दिल्ली बनाएगी सरकार

नई दिल्ली। दिल्ली को स्वच्छ एवं सुंदर बनाने के लिए दिल्ली सरकार और नगर निगम मिलकर काम करेंगे। मुख्यमंत्री ने यह बात शुक्रवार को मुख्यमंत्री जनसेवा सदन में नगर निगम की विशेष एवं तदर्थ समितियों के नवनियुक्त अध्यक्षों और उपाध्यक्षों से मुलाकात में कही। उन्होंने कहा कि राजधानी को विकसित दिल्ली के रूप में आगे ले जाने में एमसीडी की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण है। यहां बुनियादी विकास, स्वच्छता, कूड़ा निस्तारण और पर्यावरण सुधार के साथ-साथ प्राथमिक शिक्षा और प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने में निगम को प्रभावी भूमिका निभानी होगी मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में आयोजित इस बैठक में महापौर प्रवेश वाही, उप महापौर मोनिका पंत और निगम के नेता सदन जयभगवान यादव सहित अन्य पदाधिकारी भी मौजूद रहे। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने निगम पदाधिकारियों के साथ दिल्ली के विकास और जनहित से जुड़े विभिन्न विषयों पर विस्तार से चर्चा की। मुख्यमंत्री ने बैठक के दौरान दिल्ली को कूड़ा-मुक्त बनाने के लिए निगम की प्रमुख प्राथमिकताओं में शामिल करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि राजधानी की स्वच्छता और कूड़ा निस्तारण की व्यवस्था सीधे दिल्ली की छवि से जुड़ी है। दिल्ली को ऐसी व्यवस्था की और बढ़ाना होगा, जहां कूड़े के प्रभावी निस्तारण के साथ सार्वजनिक स्थान स्वच्छ रहें और नागरिकों को बेहतर वातावरण मिल सके। मुख्यमंत्री ने निगम नेताओं से प्राथमिक शिक्षा के क्षेत्र में बेहतर परिणाम देने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि बच्चों को गुणवत्तापूर्ण प्राथमिक शिक्षा उपलब्ध कराना दिल्ली के भविष्य को मजबूत करने की बुनियादी जरूरत है। नगर निगम के विद्यालयों में शिक्षा व्यवस्था को और बेहतर बनाने तथा बच्चों को अच्छे शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध कराने की दिशा में लगातार प्रयास होने चाहिए।

1.1 किलो गांजा के साथ 59 वर्षीय महिला गिरफ्तार



प्रातः किरणः मनोज जैन

नई दिल्ली। केंद्रीय जिले में नशा तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत एंटी नारकोटिक्स सेल और प्रसाद नगर थाना पुलिस की संयुक्त टीम ने नेहरू नगर की रमेश्वरी रोड से 59 वर्षीय महिला को 1 किलो 100 ग्राम गांजा के साथ गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान करोलबाग निवासी राधा के रूप में हुई है। पुलिस को 31 अगस्त को रमेश्वरी रोड क्षेत्र में गांजा बेचने की सूचना मिली थी। सूचना के आधार पर टीम ने छापेमारी कर महिला को मौके पर दबोच लिया। तलाशी में उसके पास से 1 किलो 100 ग्राम गांजा बरामद हुआ। प्रसाद नगर थाने में एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया गया। मामले की जांच जारी है।

30.06 लाख की साइबर टगी में अंतरराज्यीय गिरोह का पदार्फाश, मुख्य संचालक गिरफ्तार

प्रातः किरणः मनोज जैन

दिल्ली। क्राइम ब्रांच की वेस्टर्न रेंज-2 टीम ने 30.06 लाख रुपये की साइबर टगी के मामले में अंतरराज्यीय गिरोह का पदार्फाश करते हुए उसके प्रमुख संचालक उदित त्यागी को गिरफ्तार किया है। जांच में सामने आया कि गिरोह व्हाट्सऐप और टेलीग्राम समूहों के जरिए लोगों को ऑनलाइन निवेश, ट्रेडिंग और घर बैठे कमाई का झांसा देता था। शुरूआत में कम रकम निवेश करकार फजी नुफाफा दिखाया जाता और भरोसा बनने के बाद बड़ी रकम जमा कराई जाती थी। रकम निकालने पर टैक्स, वीआईपी



सदस्यता और अन्य शुल्क के नाम पर लगातार और पैसे मागे जाते थे। पुलिस ने सात मोबाइल फोन, सिम कार्ड, बैंक दस्तावेज और अन्य डिजिटल साक्ष्य बरामद किए हैं। जांच में विदेशी संचालकों, टेलीग्राम ऑपरेटर्स, भारतीय विचिलियों, म्यूल

बैंक खाताधारकों और क्रिप्टोकरेंसी के जरिए रकम खपाने वाले लोगों के बीच मजबूत नेटवर्क का खुलासा हुआ है। टगी की रकम 18 से अधिक बैंक खातों में घुमाई जाती थी और बाद में यूएसडीटी के माध्यम से उसका निपटारा किया जाता था। पुलिस के अनुसार आरोपियों से जुड़े खातों के तार 35 से अधिक साइबर अपराध शिकायतों से भी मिले हैं। उदित त्यागी को जयपुर हवाई अड्डे पर लुकआउट सर्कुलर के आधार पर पकड़ा गया। पुलिस अब विदेशी संचालकों, अन्य आरोपियों और पूरी रकम के नेटवर्क का पता लगाने में जुटी है।

एटीएम से एसी का इंडोर यूनिट चुराते रंगे मामला पकड़ा

प्रातः किरण मनोज जैन



नई दिल्ली। उत्तर-पूर्वी दिल्ली के हर्ष विहार थाना पुलिस ने मंडोली स्थित एनबीआई एटीएम से एसी का इंडोर यूनिट चोरी करने 28 वर्षीय युवक विपिन को रंगे हाथ गिरफ्तार किया। पुलिस ने उसके कब्जे से चोरी किया गया एसी यूनिट और वारदात में

में चोरी का मामला दर्ज है। पुलिस के मुताबिक, रात में गश्त कर रही टीम को एटीएम कंट्रोल रूम से संदिग्ध व्यक्ति के अंदर घुसने की सूचना मिली। सूचना मिलते ही उपनिरीक्षक संदीप, हेड कांस्टेबल शशांक और हेड कांस्टेबल जितेंद्र मौके पर पहुंचे और एसी यूनिट चोरी करते विपिन को दबोच लिया। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

पीयूसीसी उल्लंघन पर ट्रैफिक पुलिस की सख्ती, 238 वाहनों के चालान



प्रातः किरणः मनोज जैन

नई दिल्ली। दिल्ली में प्रदूषण नियंत्रण नियमों का पालन सुनिश्चित करने के लिए उत्तरी रेंज ट्रैफिक पुलिस ने तीन सितंबर को विशेष अभियान चलाया। डीसीपी ट्रैफिक उत्तरी रेंज डॉ. सचिन कुमार सिंघल, आईपीएस के निर्देश पर विभिन्न स्थानों पर वाहनों की सघन जांच की गई। अभियान के दौरान वैध प्रदूषण नियंत्रण प्रमाणपत्र (पीयूसीसी) के बिना वाहन चलाने वाले 238 वाहन चालकों के चालान किए गए। ट्रैफिक पुलिस ने वाहन मालिकों से पीयूसीसी की वैधता सुनिश्चित करने और प्रदूषण संबंधी सभी नियमों का पालन करने की अपील की। पुलिस के अनुसार नियमित प्रदूषण जांच से न केवल कानूनी कार्रवाई से बचा जा सकता है, बल्कि दिल्ली की हवा को स्वच्छ रखने में भी योगदान मिलता है। उत्तरी रेंज ट्रैफिक पुलिस ने साफ किया कि सड़क सुरक्षा, नियमों के अनुपालन और स्वच्छ पर्यावरण के लिए इस तरह के अभियान आगे भी जारी रहेंगे।

सांक्षिप्त खबरें

सफाई कर्मचारियों की हड़ताल छह सितंबर तक बंदी

फरीदाबाद । नगर निगम के सफाई कर्मचारियों ने मांगों पूरी नहीं होने पर हड़ताल को चार दिन और बढ़ा दिया है। पहले कर्मचारियों ने दो सितंबर तक हड़ताल का अल्टीमेटम दिया था, लेकिन सरकार की ओर से ठोस निर्णय नहीं होने के बाद अब छह सितंबर तक हड़ताल जारी रखने का फैसला लिया है। कर्मचारियों का कहना है कि मांगों पूरी होने तक आंदोलन जारी रहेगा। नगर पालिका कर्मचारी संघ के राज्य प्रधान नरेश शास्त्री ने बताया कि प्रदेशभर के सफाई कर्मचारी छह अगस्त से हड़ताल पर हैं। सरकार को दो सितंबर तक का समय दिया गया था। इस दौरान कई बार मांगों के समाधान की मांग की गई, लेकिन कोई ठोस फैसला नहीं हुआ। इसलिए हड़ताल की अवधि बढ़ाई गई है।

गडकरी करेंगे गणेशोत्सव में शिरकत

फरीदाबाद । महाराष्ट्र मित्र मंडल फरीदाबाद के रजत जयंती गणेशोत्सव में केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी भी शिरकत करेंगे। मंडल के वरिष्ठ पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने बुधवार को दिल्ली स्थित केंद्रीय मंत्री के आवास पर पहुंचकर उन्हें आगामी गणेशोत्सव में शामिल होने का निमंत्रण दिया। गडकरी ने मंडल का निमंत्रण स्वीकार करते हुए गणेशोत्सव में बप्पा के दर्शन के लिए आने की सहमति दी। मंडल के अध्यक्ष राजेंद्र पांचाल, सचिव प्रवीण राठौड़, ओमप्रकाश पांचाल सहित अन्य सदस्यों ने केंद्रीय मंत्री से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने मंडल की ओर से आयोजित होने वाले रजत जयंती गणेशोत्सव की तैयारियों और कार्यक्रमों की जानकारी भी दी।

शादी के लिए रखे गहने चोरी

फरीदाबाद । अनखीर चौकी क्षेत्र के गांव बड़खल में चोरों ने एक मकान में घुसकर संदूक में रखे बेटी की शादी के आभूषण चोरी कर लिए। गांव बड़खल निवासी मोहम्मद अयुब ने शिकायत में बताया कि 1 सितंबर को सुबह करीब चार बजे उसने कमरे में रखी बड़ी संदूक का ताला खुला देखा। जांच करने पर देखा कि बेटी शाईना की शादी के लिए रखे आभूषण गायब मिले। शिकायत के अनुसार, चोर एक लैडीज पर्स में रखे करीब दो पौने सोने का हार, करीब 500 ग्राम चांदी की पांजेब, 250 ग्राम चांदी का चुटीला, 250 ग्राम चांदी का गले का हार समेत अन्य आभूषण ले गए।

सोहना में कर्मचारी नेता की बाइक चोरी

गुरुग्राम । जिले में सोहना कस्बे के वाई नंबर 15 में जनस्वास्थ्य एवं अभियांत्रिकी विभाग के रिटायर्ड कर्मचारी और कर्मचारी यूनियन के जिला चेयरमैन रविंद्र कुमार की बाइक चोरी हो गई है। उनकी स्पोर्ट्स प्लस बाइक घर के सामने खड़ी थी, जिसे अज्ञात चोर चुरा ले गए। पुलिस ने इस मामले में अज्ञात चोर के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है और जांच शुरू कर दी है। रविंद्र कुमार मोहल्ला खजुरीवाड़ा के वाई नंबर 15 में रहते हैं। उन्होंने बताया कि जब वे बाजार जाने के लिए घर से निकले तो देखा कि उनकी बाइक गायब थी। उन्होंने तुरंत पुलिस कंट्रोल नंबर 112 पर इसकी सूचना दी। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का मुआयना किया। सोहना सिटी थाना प्रभारी सुरेंद्र सिंह ने बताया कि अज्ञात बाइक चोर के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है। उन्होंने कहा कि जल्द ही चोरी का सुरांग लगा लिया जाएगा। इस मामले की जांच सीआईए टीम को सौंपी गई है।

फरीदाबाद में रोडरेज विवाद के बाद घर पर हमला

लाठी-डंडे और हथियार लेकर पहुंचे युवकों ने परिवार के पांच लोगों को पीटा, एक गंभीर घायल

प्रातः किरण संवाददाता

गुरुग्राम । के बहरामपुर गांव में रोडरेज के एक मामूली विवाद के बाद लाठी-डंडों और हथियारों से लैस युवकों ने एक परिवार पर हमला कर दिया। इस हमले में परिवार के 5 लोगों को चोट आई हैं, जिनमें से गजराज नाम के व्यक्ति की हालत बेहद नाजुक बनी हुई है, जिन्हें शहर के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जहां उनकी हालत गंभीर बनी हुई है। परिजनों ने बताया कि हमलावरों ने गजराज को अधमरा होने तक पीटा। इस हमले में गजराज का पैर टूट गया है, उनके हाथ की उंगलियां कट गई हैं और छाती पर गहरे जख्म होने के कारण काफी खून बह चुका है। जब गजराज को बचाने के लिए उनकी पत्नी और बच्चे बीच-बचाव करने आए, तो हमलावरों ने मयार्दा

फरीदाबाद में सीलिंग कार्रवाई में DTP से मिड़ा रिटायर्ड SI

रिहायशी मकानों में चल रही व्यावसायिक गतिविधियां 9 यूनिट्स सील

प्रातः किरण संवाददाता

फरीदाबाद । के सेक्टर-76 में रिहायशी मकानों में चल रही अवैध व्यावसायिक गतिविधियों पर कार्रवाई करने पहुंची डीटीपी की टीम के सामने उस समय विवाद खड़ा हो गया, जब एक रिटायर्ड पुलिस सब इंस्पेक्टर ने कार्रवाई का विरोध शुरू कर दिया। आरोप है कि रिटायर्ड पुलिसकर्मी रिहायशी मकान में प्रांटीटी कार्यालय चला रहे थे। सीलिंग की कार्रवाई का विरोध करते हुए वह डीटीपी अधिकारी के सामने अड़ गए। डीटीपी यजन चौधरी ने मौके पर मौजूद पुलिसकर्मीयों से उन्हें हटाने को कहा, लेकिन काफी देर तक पुलिसकर्मी उन्हें हटाने के लिए आगे नहीं आए। इस दौरान मौके पर खूब बहस हुई। जानिए दोनों के बीच क्या बहस हुई रिटायर्ड SI: कोई इसे सील नहीं करेगा।यह मेरा ऑफिस है।DTP: आपका ऑफिस है तो भी सील होगा। रिहायशी प्लॉट में व्यावसायिक गतिविधि चल रही है। आप पुलिसकर्मीयों से कहकर इन्हें यहां से हटाइए।रिटायर्ड रक कैसे पकड़ोगे, बताओ?

गुरुग्राम में खट्टर ने किसानों की मांगों पर सहमति जताई

किसानों का जवा-पहली बार सरकार का पॉजिटिव रिसपांस, बोले-मांगें पूरी होने पर ही होंगे संतुष्ट

प्रातः किरण संवाददाता

गुरुग्राम। केंद्र सरकार और किसानों के बीच चल रहे गतिरोध को खत्म करने के लिए गुरुग्राम में केंद्रीय ऊर्जा मंत्री मनोहर लाल खट्टर और संयुक्त किसान मोर्चा (गैर- राजनीतिक) के प्रतिनिधिमंडल के बीच करीब 4 घंटे तक बैठक हुई। बैठक रात 11 बजे तक चली। इसमें देश के अलग-अलग राज्यों से आए 13 किसान प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया। किसानों ने अपनी 10 प्रमुख मांगों का विस्तृत केंद्रीय मंत्री को सौंपा। बैठक के बाद केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल ने दावा किया कि

गुरुग्राम में स्थापित की गई सेट सांवरिया की प्रतिमा

कलश यात्रा में 301 महिलाओं ने लिया भाग, भक्तों ने कई जगह की स्वागत

प्रातः किरण संवाददाता

गुरुग्राम । में फर्रुखनगर के खेड़ा खुमरपुर गांव में बाबा रामशरण दास जोहड़ वाले मंदिर में महंत चेतन दास (माडू भगत) की देखरेख और गांववालों के सहयोग से सेठ सांवरिया जी की प्रतिमा स्थापित की गई। साथ ही एक भव्य कलश यात्रा भी निकाली गई। समाजसेवी देवेन्द्र यादव और लक्ष्मण यादव ने बताया कि इस कलश यात्रा में करीब 3०1 सुहागिन महिलाओं ने सिर पर कलश रखकर हिस्सा लिया। डीजे और भजन की धुन पर यह यात्रा मंदिर से शुरू हुई। यह गांव के अलग-अलग रास्तों से होते हुए पूरे गांव में घूमि और वापस मंदिर परिसर पहुंची। यात्रा के दौरान जगह-जगह भक्तों का स्वागत किया गया और प्रसाद बांटा गया। सेठ सांवरिया जी की प्रतिमा



किसानों की मांगों पर अलग-अलग मंत्रियों से बात करके उन्हें जल्द से जल्द पूरा करवाया जाएगा और किसान फिलहाल संतुष्ट हैं। वहीं किसान नेताओं का कहना है कि अभी आश्वासन मिला है, लेकिन किसान तब संतुष्ट होंगे, जब मांगों को पूरा किया जाएगा, लेकिन इस

सरकार के रुख को लेकर आमने-सामने की बातचीत हुई। बैठक में मुख्य रूप से भारत-अमेरिका ट्रेड डील, एमएसएम की कानूनी गारंटी, कृषि क्षेत्रों में बुनियादी ढांचे, स्मार्ट मोटर और बिजली सब्सिडी जैसे गंभीर मामलों पर चर्चा की गई। किसान प्रतिनिधिमंडल ने केंद्रीय मंत्री के सामने अपनी जिन 10 प्रमुख मांगों को रखा, उनमें से कुछ बेहद संवेदनशील विषयों पर सरकार की तरफ से सकारात्मक संकेत मिले हैं।

अभी आश्वासन मिला है इस बारे में सचिव हरदीप सिंह गिल ने बताया कि अभी हमें केवल आश्वासन मिला है, हमारी मांगें पूरी होने पर ही देश के किसान संतुष्ट होंगे। आने वाला टाइम ही बताएगा कि क्या वाकई प्लाइट पर विस्तार से चर्चा हुई।4 घंटे किसान हित में फेसले लिए गए हैं या नहीं। अगर अगले 5 से 10 दिनों के

गुरुग्राम में धूमधाम से मनाई जा रही जन्माष्टमी

इस्कॉन मंदिरों में उमाड़ी श्रद्धालुओं की भीड़, रात से ही लगी कटाईं, सुरक्षा के कड़े इंतजाम

प्रातः किरण संवाददाता

गुरुग्राम । में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का त्योहार पारंपरिक श्रद्धा के साथ मनाया जा रहा है। श्रीकृष्ण जन्मोत्सव को लेकर श्रद्धालुओं में भारी उत्साह देखने को मिल रहा है। शहर के सभी छोटे-बड़े मंदिरों को रंग-बिरंगी लाइटों, खूबसूरत फूलों और भव्य झांकियों से दुल्हन की तरह सजाया गया है। भगवान श्रीकृष्ण के बाल स्वरूप हलड्डू गोपालहू के दर्शन पाने के लिए रात से ही मंदिरों में श्रद्धालुओं का पहुंचना शुरू हो गया था, जो सुबह होते-होते निरसेलाब में बदल गया। हलांथी घोड़ा पालकी, जय कन्हैया लाल कीहू और ह्दहरे कृष्णा हरे रामाहू के भजनों से पूरा शहर गुंज रहा। शहर के सबसे प्रमुख और भव्य बादशाहपुर स्थित इस्कॉन टेम्पल में अलसुबह से ही लाखों श्रद्धालुओं

भीतर हमारी 2-4 प्रमुख डिमांड्स भी पूरी हो जाती हैं, तो हमें यह विश्वास होगा कि सरकार सचमुच किसान हित में काम कर रही है। किसानों की प्रमुख मांगें और सरकार का रुख भारत-अमेरिका ट्रेड डील से कृषि और डेयरी को बाहर रखने की मांग: किसानों को डर है कि इस अंतरराष्ट्रीय व्यापार समझौते से भारतीय किसानों और डेयरी उद्योग को भारी नुकसान हो सकता है। इस पर सरकार ने बड़ा आश्वासन देते हुए कहा है कि एग्रीकल्चर और डेयरी को इस डील से बाहर रखा जाएगा और सरकार जल्द ही इस संबंध में एक आधिकारिक स्पष्टीकरण जारी करेगी। एमएसएम पर बातचीत का भरोसा: न्यूनतम समर्थन मूल्य को लेकर रेट देने को किसानों की पुरानी डिमांड थी।

प्रातः किरण संवाददाता

फरीदाबाद। में शुक्रवार को हड़ताल के बीच नगर निगम मुख्यालय के बाहर कर्मचारियों ने अपनी मांगों को लेकर सामूहिक मुंडन कराकर विरोध जताया। कर्मचारियों ने सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और आरोप लगाया कि बार-बार बातचीत और आश्वासन के बावजूद उनकी मांगों को धरातल पर लागू नहीं किया जा रहा है। कर्मचारी नेताओं ने कहा कि सरकार उनके साथ वादा खिलाफी कर रही है। जब तक मांगें पूरी नहीं होतीं, आंदोलन जारी रहेगा। हरियाणा में सफाई कर्मचारियों की राज्यव्यापी हड़ताल

फरीदाबाद में सफाई कर्मचारियों ने कराया सामूहिक मुंडन

6 अगस्त से शुरू हुई थी। फरीदाबाद में भी नगर निगम के कर्मचारी लगातार धरना-प्रदर्शन कर रहे हैं। कर्मचारियों का कहना है कि 13 मई को सरकार के साथ हुई बातचीत में कई मांगों पर सहमति बनी थी, लेकिन उनके संबंध में लिखित आदेश जारी नहीं किए गए। इसी को लेकर कर्मचारियों में रोष है। कर्मचारियों की सबसे प्रमुख मांग कच्चे, ठेका और दैनिक वेतनभोगी सफाई एवं सीवर कर्मचारियों को नियमित करना है। कर्मचारी ठेका प्रथा खत्म कर कर्मचारियों को विभागीय रोल पर लाने और नियमितकरण होने तक समान काम के लिए समान वेतन देने की मांग कर रहे हैं। इसके अलावा

जोखिम भत्ता, सुरक्षा उपकरण, ईएसआई, ईपीएफ और अन्य सेवा सुविधाएं देने की भी मांग है। वेतन और मुआवजे की भी मांग कर्मचारी नेता नरेशा शास्त्री ने बताया कि न्यूनतम वेतन में बढ़ोतरी, भत्ते और एरियर का भुगतान, दुर्घटना या मृत्यु की स्थिति में आर्थिक सहायता मृतक कर्मचारी के आश्रित व नौकरी और सेवा सुरक्षा शामिल ह। इसके अलावा रिक्त पदों पर नियमित भर्ती और कर्मचारियों से जुड़े पुराने मामलों में राहत देने की मांग भी की जा रही है। सरकार ने कई मांगों पर सहमति जताई, लेकिन गतिरोध कायम सरकार की ओर से कई मांगों पर सैद्धांतिक सहमति जताते हुई हैं।

सोहना बार एसोसिएशन चुनाव की सरगर्मियां तेज उम्मीदवार घर-घर जाकर मांग रहे समर्थन, इस बार एश्ट से होगा



प्रातः किरण संवाददाता

गुरुग्राम । सोहना बार एसोसिएशन चुनाव की तैयारियां तेज हो गई हैं। चुनाव में उतरे उम्मीदवार मतदाताओं के घर-घर जाकर समर्थन मांग रहे हैं। इससे चुनावी माहौल गरमा गया है। इस बार चुनाव ईवीएम मशीन से होगा, जिसके लिए जागरूकता मिशन ने उपायुक्त को पत्र लिखकर मांग की है। बार एसोसिएशन चुनाव 11 सितंबर को कोर्ट परिसर में होगा। उम्मीदवार मतदाताओं के घरों और दफ्तरों में जाकर समर्थन मांग रहे हैं। हालांकि, मतदाता अभी खुलकर सामने नहीं आ रहे हैं और सभी उम्मीदवारों को आशीर्वाद दे रहे हैं। चुनाव में करीब 9०0 सदस्य अपने

पदों के लिए होगा। नामांकन प्रक्रिया पूरी हो चुकी है। प्रधान पद के लिए है त्रिकोणीय मुकाबला प्रधान पद पर इस बार त्रिकोणीय मुकाबला देखने को मिलेगा। इस पद के लिए एडवोकेट सुनील विक्रल, एडवोकेट अमित यादव और एडवोकेट महावीर प्रसाद मैदान में हैं। इसी तरह सचिव पद पर भी त्रिकोणीय मुकाबला होने की संभावना है। वहीं, उप प्रधान, एडिशनल उप प्रधान और सह सचिव पदों पर सीधी टक्कर होगी। ईवीएम से होगा चुनाव बार एसोसिएशन का चुनाव ईवीएम मशीन से होगा। चुनाव समिति ने इसके लिए पांच ईवीएम की मांग की है। चुनाव समिति के अध्यक्ष एडवोकेट सोमवीर तंवर ने बताया कि ईवीएम से चुनाव निष्पक्ष और शांतिपूर्ण तरीके से होगा। हालांकि, मतदाता सूची अभी फाइनल नहीं की गई है।

फरीदाबाद में हनीट्रैप में 1 लाख लेती महिला गिरफ्तार 2 लाख कीडिमांड की;अंतरंगफोटो-वीडियो वायरल कर देती थी धमकी

फरीदाबाद के ओल्ड थाना क्षेत्र में एक महिला द्वारा व्यक्ति को हनीट्रैप में फंसाकर उससे जबरन रुपए मांगने का मामला सामने आया है। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए आरोपी महिला को एक लाख रुपए लेते हुए उरंगे हाथों गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उसके कब्जे से एक लाख रुपए बरामद किए हैं। आरोपी महिला को अदालत में पेश किया गया, जहां उसे उसे न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया। पुलिस प्रवक्ता यशपाल के अनुसार, भुइ कालोनी निवासी महिला ने शिकायत में बताया कि आरोपी महिला कुछ समय पहले अपने परिवार के साथ उनके मकान में किराए पर रहती थी। इसी दौरान उसने शिकायतकर्ता के पति को अपनी बातों में फंसा लिया। इस दौरान दोनों के संबंध बन गए आरोप है कि महिला ने संबंध के दौरान की उनके पति की फोटो और वीडियो बना लिए थे। इसके बाद वह फोटो-वीडियो वायरल करने की धमकी देकर लगातार पैसे की मांग करने लगी। शिकायतकर्ता का आरोप है कि आरोपी महिला आए दिन पैसे मांगती थी। इतना ही नहीं, वह पैसे नहीं देने पर दुकान और घर पर आकर मारपीट भी करती थी। महिला की लगातार धमकियों से परेशान होकर पीड़ित परिवार ने पुलिस से शिकायत की। 12 लाख रुपए लेने के लिए बुलाया पुलिस से मुताबिक, 3 सितंबर को आरोपी महिला ने शिकायतकर्ता के पति को दो लाख रुपए देने के लिए सेक्टर-28 स्थित एक रेस्टोरेट में बुलाया था। शिकायत करने के बाद ओल्ड थाना पुलिस ने कार्रवाई की योजना बनाई और टीम तैयार की। एक लाख रुपए लेते रंगे हाथों पकड़ा पुलिस टीम ने रेस्टोरेट के आसपास निगरानी रखी। जैसे ही महिला रुपए लेकर पहुंची, पुलिस ने उसे एक लाख रुपए लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने उसके कब्जे से एक लाख रुपए बरामद किए। मामले में ओल्ड फरीदाबाद थाने में संबंधित थाराओं के तहत केस दर्ज किया गया है। जांच में जुटी पुलिस पुलिस आरोपी महिला से पूछताछ कर पूरे मामले की जांच कर रही है। पुलिस यह भी पता लगा रही है कि महिला ने इस तरह किसी अन्य व्यक्ति को भी अपमान करने का प्रयास कर चुका है। आरोपी को अदालत में पेश करने के बाद न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

फरीदाबाद में थार की टक्कर से स्वच्छि की मौतसड़क पार कर रहा, पांच बच्चों का पिता, यूपी का रहने वाला

फरीदाबाद के चंदावली मौड़ के पास गुरुवार देर शाम सड़क पार करते समय थार की टक्कर से 35 वर्षीय व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे के बाद आसपास मौजूद लोगों ने घायल को बल्लभगढ़ के सिविल अस्पताल पहुंचाया, जहां करीब दो घंटे तक इलाज चलने के बाद उसकी मौत हो गई। घटना के बाद पुलिस ने अज्ञात वाहन ड्राइवर के खिलाफ मामला दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है। मृतक की पहचान जयप्रकाश के रूप में हुई है। उसकी पत्नी राजेंद्री ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि गुरुवार शाम उसके पति किसी काम से मार्केट गए थे। देर शाम वह बल्लभगढ़ की तरफ से चंदावली पुल की ओर वापस आ रहे थे। इसी दौरान चंदावली मौड़ के पास सड़क पार करते समय किसी बड़े वाहन ने उन्हें टक्कर मार दी। टक्कर लगने के बाद वह सड़क पर गिर गए और गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय लोगों ने अस्पताल में कराया भर्ती हादसे के बाद मौके पर मौजूद लोगों ने जयप्रकाश को उठाया और उपचार के लिए बल्लभगढ़ के सिविल अस्पताल पहुंचाया। परिजनों को भी घटना की जानकारी दी गई। अस्पताल में चिकित्सकों ने उनका इलाज शुरू किया, लेकिन करीब दो घंटे बाद उनकी हालत बिगड़ गई और इलाज के दौरान उन्होंने दम तोड़ दिया। इसके बाद पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल की मोचरी ने रखवा दिया। राजेंद्री ने बताया कि आसपास के लोगों से उन्हें जानकारी मिली है कि जयप्रकाश को किसी कार या थार वाहन ने टक्कर मारी थी। हालांकि, अभी तक यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि हादसा किस वाहन से हुआ और वाहन कौन चला रहा था। परिवार ने पुलिस से वाहन की पहचान कर चालक के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की है। राजेंद्री के अनुसार, जयप्रकाश पिछले करीब पांच-छह साल से फरीदाबाद में रह रहे थे। वह चंदावली मौड़ के पास जड़ी-बूटी बेचने का काम करते थे। परिवार मूल रूप से उत्तर प्रदेश के बुलंदशहर का रहने वाला है। सास-ससुर के साथ रहता था मृतक जयप्रकाश अपनी पत्नी, पांच छोटे-छोटे बच्चों और सास-ससुर के साथ चंदावली मौड़ के पास झोपड़ी बनाकर रह रहे थे। परिवार के कुछ अन्य सदस्य गांव के दूसरी तरफ रहते हैं। हादसे की जानकारी मिलते ही परिवार के लोग अस्पताल पहुंच गए। पुलिस प्रवक्ता यशपाल ने बताया कि चंदावली गांव की तरफ रहने वाले एक व्यक्ति की अज्ञात वाहन की टक्कर से मौत होने की शिकायत मिली है। सदर थाना पुलिस ने अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज और अन्य माध्यमों से वाहन की पहचान करने का प्रयास कर रही है। शव का पोस्टमार्टम कराने के बाद उसे परिजनों को सौंप दिया गया है।

देश दुनिया की ताजा तारीन खबरें

पढ़ने के लिए लॉग ऑन करें

 @Pratakhiran

 www.pratakhiran.com

नई दिल्ली, शनिवार, 05 सितंबर 2026

शिक्षक दिवस विशेष : भविष्य की दिशा और शिक्षा का नया स्वरूप है शिक्षक

डॉ. सत्यवान सीरभ

शिक्षा का स्वरूप आज जिस तीव्र गति से बदल रहा है, वैसा परिवर्तन शायद पहले कभी देखने को नहीं मिला। कृत्रिम बुद्धिमत्ता, डिजिटल तकनीक, ऑनलाइन शिक्षण, आभासी कक्षाएँ और नई शिक्षण पद्धतियाँ सीखने की प्रक्रिया को नया आकार दे रही हैं। बच्चे आज किसी भी विषय की जानकारी कुछ ही क्षणों में प्राप्त कर सकते हैं। ऐसे समय में यह प्रश्न स्वाभाविक है कि जब ज्ञान और सूचना इतनी सहजता से उपलब्ध है, तब शिक्षक की भूमिका क्या रह जाएगी? वास्तव में तकनीक के विस्तार ने शिक्षक की भूमिका को कम नहीं किया, बल्कि उसे और अधिक महत्वपूर्ण बना दिया है। आने वाले समय में शिक्षक केवल ज्ञानदाता नहीं, बल्कि जीवन-दृष्टा, मार्गदर्शक, प्रेरक और मानवीय मूल्यों के संरक्षक होंगे। परम्परागत रूप से शिक्षक की भूमिका पुस्तकों और पाठ्यक्रम के अध्ययन-अध्यापन तक मानी जाती रही है। लेकिन आज यह भूमिका कहीं व्यापक हो चुकी है। शिक्षक विद्यार्थियों के सम्पूर्ण व्यक्तित्व के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्हें केवल परीक्षा में अच्छे अंक प्राप्त करने के लिए तैयार करना पर्याप्त नहीं है। उन्हें जीवन की चुनौतियों का सामना करना, सही और गलत के बीच अंतर समझना, असफलताओं से सीखना, दूसरों के प्रति संवेदनशील रहना और कठिन परिस्थितियों में संतुलित निर्णय लेना भी सिखाना आवश्यक है। डिजिटल युग ने ज्ञान की सीमाएँ लगभग समाप्त कर दी हैं। इंटरनेट और डिजिटल मंचों ने सूचना का विशाल संसार विद्यार्थियों के हाथों में पहुँचा दिया है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता कुछ ही सेकंड में किसी प्रश्न का उत्तर दे सकती है। लेकिन सूचना और ज्ञान में अंतर है तथा ज्ञान और विवेक में उससे भी बड़ा अंतर है। किसी प्रश्न का उत्तर जान लेना अलग बात है और उस उत्तर का जीवन में उचित उपयोग करना अलग। तकनीक जानकारी उपलब्ध करा सकती है, पर उसका विवेकपूर्ण उपयोग, नैतिकता और मानवीय दृष्टिकोण शिक्षक ही विकसित कर सकते हैं। कृत्रिम बुद्धिमत्ता के बढ़ते प्रभाव और रोबोटिकी तथा स्वचालन के विस्तार के साथ रोजगार और कौशल की दुनिया भी बदल रही है। आने वाले वर्षों में अनेक पारम्परिक कार्यों का स्वरूप बदलेगा। ऐसे समय में शिक्षा की चुनौती केवल यह नहीं होगी कि विद्यार्थी क्या जानते हैं, बल्कि यह भी होगी कि वे बदलती परिस्थितियों के अनुसार कितना सीख सकते हैं, कितना सोच सकते हैं और समस्याओं का समाधान किस प्रकार कर सकते हैं। इसलिए भविष्य का शिक्षक स्वयं भी निरन्तर सीखने वाला होगा। जो शिक्षक समय के साथ अपने ज्ञान, तकनीकी दक्षता और शिक्षण-पद्धति को अद्यतन करेंगे, वही विद्यार्थियों को भविष्य के लिए बेहतर तैयार कर पाएँगे। आज सबसे बड़ी आवश्यकता शिक्षा और कौशल के बीच संतुलन स्थापित करने की है। केवल उपाधियाँ प्राप्त कर लेना जीवन की सफलता की गारंटी नहीं है। संवाद कौशल, समस्या-समाधान क्षमता, रचनात्मक सोच, निर्णय लेने की क्षमता, सहयोगी भावना और सहानुभूति जैसे गुण भी उतने ही आवश्यक हैं। शिक्षक को विद्यार्थियों में इन क्षमताओं का विकास करना होगा, ताकि वे केवल अच्छे विद्यार्थी नहीं, बल्कि जिम्मेदार और संवेदनशील नागरिक बन सकें। भारत जैसे विविधातपूर्ण देश में शिक्षक की भूमिका और भी व्यापक हो जाती है। यहाँ शिक्षा केवल रोजगार प्राप्त करने का माध्यम नहीं, बल्कि सामाजिक एकता, लोकतांत्रिक चेतना, सांस्कृतिक समझ और राष्ट्रीय चरित्र निर्माण का आधार भी है। शिक्षक विद्यार्थियों को उनकी संस्कृति, परम्पराओं और मूल्यों से जोड़ते हुए उनमें वैज्ञानिक दृष्टिकोण और संवैधानिक मूल्यों का विकास कर सकते हैं। विद्यालय की कक्षा वास्तव में भविष्य के समाज की प्रयोगशाला है। तकनीक के इस दौर में शिक्षक की सबसे बड़ी शक्ति उसकी मानवीय संवेदना है। पुस्तक ज्ञान दे सकती है, इंटरनेट सूचना दे सकता है और कृत्रिम बुद्धिमत्ता उत्तर दे सकती है, लेकिन किसी विद्यार्थी की आँखों में छिपी निराशा को पहचानना, उसकी असफलता में उसका मनोबल बढ़ाना और उसे फिर से प्रयास करने की प्रेरणा देना शिक्षक ही कर सकता है। मशीन विद्यार्थी के प्रश्न का उत्तर दे सकती है, लेकिन उसके मौन का अर्थ समझना अभी भी मानवीय संवेदना का विषय है। आज परिवारों की संरचना और जीवनशैली में भी बदलाव आया है। संयुक्त परिवारों का स्वरूप सीमित हो रहा है और अनेक बच्चों को पहले की तरह परिवार के बुजुर्गों का निरन्तर मार्गदर्शन नहीं मिल पाता। ऐसे समय में शिक्षक का दायित्व और बढ़ जाता है। विद्यालय केवल पाठ पढ़ाने का स्थान नहीं, बल्कि बच्चों के व्यक्तित्व और जीवन-दृष्टि को आकार देने का स्थान भी है। एक संवेदनशील शिक्षक विद्यार्थी के भीतर आत्मविश्वास, अनुशासन, धैर्य और जिम्मेदारी जैसे गुण विकसित कर सकता है। शिक्षा का उद्देश्य केवल परीक्षा उत्तीर्ण करना नहीं होना चाहिए। शिक्षा वह शक्ति है जो व्यक्ति को प्रश्न करना, तर्क करना, निर्णय लेना और परिस्थितियों का सामना करना सिखाती है। शिक्षा मनुष्य को केवल सक्षम नहीं, बल्कि विवेकशील और संवेदनशील भी बनाती है। यदि विद्यार्थी ऊँची उपाधियाँ तो प्राप्त कर लें, लेकिन उनमें करुणा, नैतिकता और सामाजिक जिम्मेदारी का अभाव हो, तो शिक्षा अपने वास्तविक उद्देश्य से दूर हो जाती है। समाज में सकारात्मक परिवर्तन की सबसे मजबूत कड़ी शिक्षक हैं। एक शिक्षक एक विद्यार्थी को बलुता है, विद्यार्थी परिवार को प्रभावित करता है और परिवार समाज को। इस प्रकार शिक्षक का प्रभाव एक पूरी पीढ़ी तक पहुँचाव है। किसी राष्ट्र का भविष्य केवल संसदों, नीतियों और योजनाओं में नहीं बनता; उसका वास्तविक निर्माण कक्षाओं में होता है। कक्षा में बैठे विद्यार्थी ही आने वाले समय का वैज्ञानिक, चिकित्सक, प्रशासक, शिक्षक, जनप्रतिनिधि, उद्यमी और नागरिक बनेगा। भारतीय परम्परा में गुरु को सर्वत्र विशेष सम्मान दिया गया है। गुरुकुल परम्परा से लेकर आधुनिक विश्वविद्यालयों तक गुरु-शिष्य संबंध ने ज्ञान के साथ संस्कारों की परम्परा को भी आगे बढ़ाया है। समय बदल गया है, शिक्षा के साधन बदल गए हैं और तकनीक ने अध्यापन की शैली बदल दी है, लेकिन गुरु की मूल भूमिका आज भी वही है—अज्ञान से ज्ञान की ओर और भ्रम से विवेक की ओर ले जाना।

राजनीति के शोर में खोता युवा भविष्य

अक्ति श्रीवास्तव

आज भारत का युवा देश की सबसे बड़ी ताकत माना जाता है। उसके पास ऊर्जा, प्रभिभा, नई सोच और कुछ अलग करने का जुनून है। लेकिन चिंता की बात यह है कि युवाओं का एक बड़ा वर्ग अपने भविष्य की तैयारी से अधिक राजनीतिक बहसों, सोशल मीडिया विवादों, विरोध-प्रदर्शनों और धरनों में उलझता दिखाई देता है। लोकतंत्र में अपनी आवाज उठाना हर नागरिक का अधिकार है और गलत नीतियों के खिलाफ सवाल करना भी जरूरी है, लेकिन केवल विरोध को ही अपने जीवन का उद्देश्य बना लेना उचित नहीं है। आज का समय तेजी से बदल रहा है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, ऑटोमेशन और नई तकनीक रोजगार के पुराने तरीकों को बदल रहे हैं। आने वाले समय में वही युवा आगे बढ़ पाएगा, जो समय के साथ अपने ज्ञान और कौशल को विकसित करेगा। ऐसे में युवाओं को यह सोचना जरूरी है कि वे अगले पाँच या दस वर्षों में अपने जीवन को किस मुकाम पर देखना चाहते हैं। राजनीति को समझना गलत नहीं है, बल्कि एक जागरूक नागरिक के लिए यह जरूरी है। लेकिन राजनीति में इतना डूब जाना कि पढ़ाई, करियर, रोजगार, व्यवसाय और व्यक्तिगत विकास पीछे छूट जाए, चिंता का विषय है। कुछ घंटों का विरोध किसी मुद्दे पर ध्यान आकर्षित कर सकता है, लेकिन वर्षों की मेहनत, शिक्षा और कौशल व्यक्ति का पूरा जीवन बदल सकते हैं। आज के युवा को यह तय करना होगा कि वह केवल राजनीतिक बहसों का हिस्सा बनेगा या अपने भविष्य का निर्माता भी बनेगा। देश को ऐसे युवाओं की जरूरत है जो सवाल पूछें, गलत के खिलाफ आवाज उठाएं, लेकिन साथ ही अपने ज्ञान, कौशल और मेहनत से देश के विकास में योगदान भी दें। युवा शक्ति तभी राष्ट्र शक्ति बनेगी, जब विरोध की आवाज के साथ निर्माण की सोच भी मजबूत होगी।

जब दुनिया भारत की तरक्की का हिसाब खोज रही है तो क्या राजनीतिक मतभेद की कोई सीमा नहीं होनी चाहिए ?

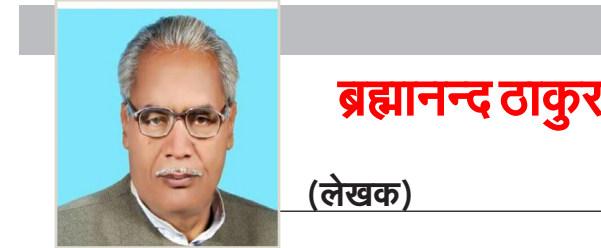
सरकार के फैसलों पर सवाल उठाना, नीतियों की आलोचना करना और सत्ता से जवाब मांगना विपक्ष का सवैधानिक दायित्व है। उसी तरह सत्ता पक्ष की जिम्मेदारी है कि वह आलोचना को लोकतंत्र का स्वाभाविक हिस्सा माने और जनता के प्रति अपनी जवाबदेही को सर्वोच्च रखे। लेकिन सवाल यह है कि क्या राजनीतिक मतभेद की कोई सीमा नहीं होनी चाहिए? निश्चित रूप से होनी चाहिए। लोकतंत्र में विचारों का टकराव हो सकता है, राजनीतिक संघर्ष हो सकता है, चुनावी प्रतिस्पर्धा हो सकती है, लेकिन राष्ट्रहित से बड़ा कोई दल और राष्ट्र से बड़ा कोई नेता नहीं हो सकता है। सत्ता आज किसी एक दल के पास है, कल दूसरे के पास हो सकती है। नेता आते-जाते रहते हैं, लेकिन राष्ट्र और उसकी संस्थाएं स्थायी होती है। इसलिए पक्ष हो या विपक्ष, अंतिम कसौटी यही होनी चाहिए कि उसके कदमों से देश और जनता का हित कितना मजबूत होता है। सरकार के किसी आर्थिक आंकड़े पर सवाल उठाना गलत नहीं है। आंकड़ों की विश्वसनीयता की जांच करना तो लोकतांत्रिक व्यवस्था में जरूरी है। आर्थिक नीतियों की आलोचना भी होनी चाहिए और सरकार से यह पूछा भी जाना चाहिए कि विकास का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक कितना पहुंचा।



लोकतंत्र की सबसे बड़ी खूबसूरती यही है कि इ समें असहमति के लिए जगह होती है। सत्ता और विपक्ष के बीच मतभेद लोकतंत्र की कमजोरी नहीं, बल्कि उसकी बुनियाद ताकत हैं। सरकार के फैसलों पर सवाल उठाना, नीतियों की आलोचना करना और सत्ता से जवाब मांगना विपक्ष का संवैधानिक दायित्व है। उसी तरह सत्ता पक्ष की जिम्मेदारी है कि वह आलोचना को लोकतंत्र का स्वाभाविक हिस्सा माने और जनता के प्रति अपनी जवाबदेही को सর্বोच्च रखे। लेकिन सवाल यह है कि क्या राजनीतिक मतभेद की कोई सीमा नहीं होनी चाहिए? निश्चित रूप से होनी चाहिए। लोकतंत्र में विचारों का टकराव हो सकता है, राजनीतिक संघर्ष हो सकता है, चुनावी प्रतिस्पर्धा हो सकती है, लेकिन राष्ट्रहित से बड़ा कोई दल और राष्ट्र से बड़ा कोई नेता नहीं हो सकता है। सत्ता आज किसी एक दल के पास है, कल दूसरे के

डरा हुआ शिक्षक निर्भीक राष्ट्र कैसे बनाएगा ?

इसलिए यह सवाल अत्यंत महत्वपूर्ण है कि जिस शिक्षक से हम निर्भीक, लोकतांत्रिक और सवाल करने वाले युवा पीढ़ी के निर्माण की अपेक्षा करते हैं, क्या वह स्वयं आज निर्भीक होकर यह काम कर पा रहा है? आज शिक्षक की सबसे बड़ी विडंबना यही है कि समाज उससे बच्चों के चरित्र निर्माण की अपेक्षा करता है, जबकि व्यवस्था और परिस्थितियां कई बार उसे भय में जीने को मजबूर करती हैं। सवाल है कि आखिर शिधक डरा हुआ क्यों है? शिक्षक का डर हमेशा दिखाई नहीं देता। वह कक्षा में सामान्य दिखाई देता है, बच्चों को पढ़ाता है, उपस्थिति बनाता है, परीक्षाएं लेता है और सरकारी निदेशों का पालन करता है। ऐसा करते हुए उसके भीतर कई तरह की आशंकाएं पलती रहती हैं। स्थानीय स्तर पर प्रभावशाली लोगों, स्थानीय नेताओं और जनप्रतिनिधियों का दबाव शिक्षकों के लिए एक बड़ी चुनौती है। विद्यालय में किसका काम पहले हो, किस बच्चे के साथ क्या व्यवहार किया जाए, किस गतिविधि में किसे प्राथमिकता मिले, किसी कर्मचारी या शिक्षक के बारे में शिकायत पर क्या रुख अपनया जाए—इन छोटे-छोटे मामलों में भी कई बार राजनीतिक या स्थानीय प्रभाव हस्तक्षेप करने लगता है। शिक्षक यदि नियम के अनुसार निर्णय लेे तो किसी प्रभावशाली व्यक्ति की नाराजगी का भय रहता है और यदि दबाव में नियम से समझौता करे तो अपनी जिम्मेदारी और आत्मसम्मान दोनों पर चोट लगती है। ऐसी स्थिति में शिक्षक आखिर जाए तो जाए कहा? शिक्षक का दूसरा बड़ा दबाव विभागीय व्यवस्था का है। निरीक्षण और अनुशासन आवश्यक हैं। किसी भी



ब्रह्मानन्द ठाकुर

(लेखक)

शिक्षक के समाज ने सदियों से न केवल ज्ञान देने वाला व्यक्ति माना है, बल्कि उसे राष्ट्र निर्माता कहा है। वह बच्चों को अक्षर ज्ञान देने के साथ उनमें विवेक, संस्कार, संवेदना, तर्क और सत्य के पक्ष में खड़े होने का साहस पैदा करता है। इसलिए यह सवाल अत्यंत महत्वपूर्ण है कि जिस शिक्षक से हम निर्भीक, लोकतांत्रिक और सवाल करने वाले युवा पीढ़ी के निर्माण की अपेक्षा करते हैं, क्या वह स्वयं आज निर्भीक होकर यह काम कर पा रहा है? आज शिक्षक की सबसे बड़ी विडंबना यही है कि समाज उससे बच्चों के चरित्र निर्माण की अपेक्षा करता है, जबकि व्यवस्था और परिस्थितियां कई बार उसे भय में जीने को मजबूर करती हैं। सवाल है कि आखिर शिक्षक डरा हुआ क्यों है? शिक्षक का डर हमेशा दिखाई नहीं देता। वह कक्षा में सामान्य दिखाई देता है, बच्चों को पढ़ाता है, उपस्थिति बनाता है, परीक्षाएं लेता है और सरकारी निदेशों



निरंजन कुमार

महान दार्शनिक, शिक्षाविद् और भारत के पूर्व राष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन का जीवन इस विचार का प्रतीक था कि शिक्षा और शिक्षक किसी राष्ट्र के भविष्य की सबसे मजबूत नींव होते हैं। उनकी जयंती 5 सितंबर को शिक्षक दिवस के रूप में मनाया इसी विश्वास का सम्मान है। बिहार की पहचान केवल इतिहास के पन्नों

विचारमंथन

राजनीति

राजनीति

राजनीति

राजनीति

राजनीति

राजनीति

राजनीति

राजनीति

राजनीति

राजनीति

राजनीति

राजनीति

राजनीति

राजनीति

राजनीति

राजनीति

राजनीति

राजनीति

राजनीति

राजनीति

राजनीति

राजनीति

राजनीति

राजनीति

राजनीति

राजनीति

राजनीति

राजनीति

राजनीति

राजनीति

राजनीति

राजनीति

राजनीति

राजनीति

राजनीति

राजनीति

राजनीति

राजनीति

राजनीति

राजनीति

राजनीति

राजनीति

राजनीति

राजनीति

राजनीति

राजनीति

राजनीति

राजनीति

राजनीति

राजनीति

राजनीति

राजनीति

राजनीति

राजनीति

राजनीति

राजनीति

राजनीति

राजनीति

राजनीति

राजनीति

राजनीति

राजनीति

राजनीति

राजनीति

राजनीति

राजनीति

राजनीति

राजनीति

राजनीति

राजनीति

राजनीति

राजनीति

राजनीति

राजनीति

राजनीति

राजनीति

राजनीति

राजनीति

राजनीति

राजनीति

राजनीति

राजनीति

राजनीति

राजनीति

राजनीति

राजनीति

राजनीति

राजनीति

राजनीति

राजनीति

राजनीति

राजनीति

राजनीति

राजनीति

राजनीति

राजनीति

राजनीति

राजनीति

राजनीति

राजनीति

राजनीति

राजनीति

राजनीति

राजनीति

राजनीति

राजनीति

राजनीति

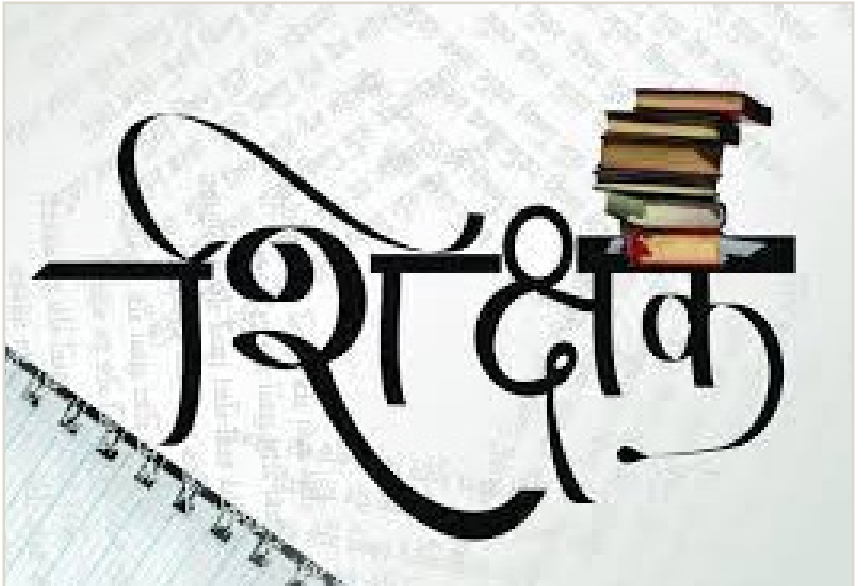
राजनीति

राजनीति

राजनीति

राजनीति

राजनीति



राजनीति

राजनीति

राजनीति

राजनीति

राजनीति

राजनीति

राजनीति

राजनीति

राजनीति

राजनीति

राजनीति

राजनीति

राजनीति

राजनीति

राजनीति

राजनीति

राजनीति

राजनीति

राजनीति

राजनीति

राजनीति

राजनीति

राजनीति

राजनीति

राजनीति

राजनीति

राजनीति

राजनीति

राजनीति

राजनीति

राजनीति

राजनीति

राजनीति

राजनीति

राजनीति

राजनीति

राजनीति

राजनीति

राजनीति

राजनीति

राजनीति

राजनीति

राजनीति

राजनीति



निक्की वालिया ने बॉलीवुड छोड़ टीवी को क्यों चुना? बताई कई वजहें

‘मिस्टर आजाद’, ‘अकेले हम अकेले तुम’ और ‘परदेसी बाबू’ जैसी फिल्मों के लिए मशहूर अभिनेत्री निक्की वालिया ने बॉलीवुड छोड़कर सबको हैरान कर दिया था। इस कदम से 90 के दशक में कई अफवाहें फैलीं। बाद में, उन्होंने टेलीविजन पर अच्छा काम किया। वह ‘सांस’, ‘तुम बिन जाऊं कहां’, ‘घर एक सपना’, ‘डेली सजा के’ जैसे शो में नजर आईं। अभिनेत्री ने हिंदी फिल्म इंडस्ट्री के कल्चर और उस समय महिलाओं के साथ कैसा बर्ताव किया जाता था, इस बारे में कुछ चौंकाने वाली बातें भी बताई हैं। बातचीत में निक्की वालिया ने बॉलीवुड छोड़ने और टेलीविजन चुनने के बारे में कहा कि इंडस्ट्री में उस समय औरतों से जो बेवकूफ चीजें मांगी जाती थीं, उसके अलावा लोगों का बात करने लहजा उन्हें पसंद नहीं आया। निक्की वालिया ने आगे कहा, ‘फिल्म इंडस्ट्री की फितरत और मेरी फितरत अलग थी। कोई गलत नहीं, कोई सही नहीं। न मैं सही, न वो गलत।’ अभिनेत्री ने याद किया कि फिल्में छोड़ने के बाद, जर्नलिस्ट और मैगजीन ने उनसे पूछा कि मौके होने के बावजूद उन्होंने यह फैसला क्यों लिया। उन्होंने कहा कि ‘मिस्टर आजाद’ के सेट पर कथित अनबन की अफवाहें भी उड़ रही थीं। यह साफ करते हुए कि उन्होंने पर्सनल वजहों से फिल्में छोड़ी थीं, निक्की ने कहा कि एक नैरेटिव बनाया जा रहा था कि वह एक प्लॉप एक्ट्रेस थीं और उनकी फिल्में फेल हो गई थीं। इंडस्ट्री को लेकर लिखा आर्टिकल उस वक्त अभिनेत्री ने इंडस्ट्री को लेकर एक आर्टिकल लिखा था। इसमें उन्होंने बॉलीवुड की पोल खोली थी। आर्टिकल को याद करते हुए अभिनेत्री ने कहा कि उस वक्त मुझे इंडस्ट्री से काफी आलोचना मिली। उन्होंने कहा कि मैं उस वक्त सोच रही थी कि अगर मैं लोगों से काम मांगती, तो भी मुझे नहीं मिलता।

इज्जत से बढ़कर कुछ नहीं

बॉलीवुड में रहते हुए अभिनेत्री ने यह महसूस किया कि इज्जत उनके लिए किसी भी चीज से ज्यादा मायने रखती है। इसलिए उन्होंने बॉलीवुड छोड़ा और टीवी में करियर बनाया।



तापसी पन्नू ने बॉक्स ऑफिस से ज्यादा फिल्मों की क्वालिटी को दी तवज्जो

अभिनेत्री तापसी पन्नू आगामी एक्शन-थ्रिलर फिल्म ‘गांधारी’ की रिलीज को लेकर तैयार हैं। अभिनेत्री का कहना है कि उन्होंने हमेशा बॉक्स ऑफिस कलेक्शन से ज्यादा फिल्मों की क्वालिटी पर अहमियत दी है। अभिनेत्री का मानना है कि भले ही उनके 100 करोड़ वाली फिल्में नहीं हैं, लेकिन उन्हें इससे कोई फर्क नहीं पड़ता है। अभिनेत्री ने बातचीत में बताया कि उन्होंने कई ऐसी फिल्में देखी हैं, जिसने बॉक्स ऑफिस में खास कमाई नहीं कि हो, लेकिन बाद में कल्ट क्लासिक का दर्जा हासिल किया है। अभिनेत्री ने बताया, ‘मैंने अपने करियर में कई ऐसी फिल्में देखी हैं, जो बॉक्स ऑफिस पर नहीं चलती और फिर 10 साल बाद हम उन्हें दशक की बेस्ट फिल्मों में गिनते हैं। फिर उन्हें कल्ट का दर्जा मिल जाता है, उनकी सराहना होती है, रेफरेंस दिए जाते हैं।’ अभिनेत्री ने यह भी बताया कि इस समझ ने एक एक्टर के तौर पर उनके फैसलों पर काफी हद तक असर डाला है, जिससे उन्होंने बॉक्स ऑफिस नंबर के टेम्पररी इनाम के बजाय अपनी फिल्मोग्राफी चुनी है। उन्होंने कहा, ‘मैंने कुछ समय की वाहवाही से ज्यादा

अपनी फिल्मों की लिस्ट को अहमियत दी है। क्योंकि मेरी फिल्मों की लिस्ट हमेशा रहेगी। समय बदलता रहेगा। पहले दूसरी तरह की फिल्में बनती थी, लेकिन मेरी फिल्मोग्राफी नहीं बदलेगी, वो वैसी ही रहेगी।’ अभिनेत्री का मानना है कि वे ऐसी फिल्मों का हिस्सा बनना चाहती हैं, जिन्हें वह सालों बाद देखकर भी गर्व महसूस कर सकें। उन्होंने बताया, ‘मैं अपनी लिस्ट में ऐसी फिल्में डालना चाहती हूँ, अगर मैं 20 साल बाद भी उसे देखूँ तो लगे कि हाँ यह एक अच्छी फिल्म थी। जाहिर इसलिए आपको कीमत भी चुकानी पड़ती है। आपको लोग कहते हैं कि आपकी फिल्में प्लॉप हैं और फिर आपको 10 साल तक इंतजार करना पड़ता है कि उसे कल्ट का दर्जा मिले। फिर आप बड़े-बड़े इंटरव्यू दे सकते हैं और उसी साल बनी दूसरी हिट फिल्मों के बारे में कोई बात भी नहीं करता। तो ये एक अजीब सा साइकिल है, जिससे एक एक्टर को गुजरना पड़ता है।’ एक्ट्रेस ने खुलकर ये भी माना कि उनके नाम सैकड़ों करोड़ की कमाई करने वाली फिल्में नहीं हैं, जिसे आजकल स्टारडम का पैमाना माना जाता है। उन्होंने कहा, ‘मुझे इस बात से कोई दिक्कत नहीं है कि मेरे नाम 1000 करोड़, 500 करोड़ वाली फिल्में नहीं हैं। 100 करोड़ वाली फिल्में भी देखा जाए तो मेरे करियर में बहुत ज्यादा नहीं हैं। मुझे इससे कोई परेशानी नहीं है।’

आठ घंटे शिफ्ट मामले पर बोलीं मेघना गुलजार

मेघना गुलजार की फिल्म ‘दायरा’ 18 सितंबर को रिलीज होनी है। इसी फिल्म को लेकर हुई बातचीत के दौरान मेघना ने दीपिका पादुकोण के आठ घंटे की शिफ्ट वाले मामले पर भी अपनी राय दी। हाल ही में दीपिका की फिल्म ‘स्पिरिट’ से जुड़े एक विवाद में यह भी दावा किया गया कि अभिनेत्री ने मेकर्स से 10 फीसदी प्रॉफिट शेयर मांगा है। अब इस पूरे मामले पर इंटरव्यू में मेघना ने अपनी प्रतिक्रिया दी। खास बातचीत में मेघना ने कहा, ‘मुझे लगता है कि शायद वह अपनी जिंदगी के ऐसे दौर में हैं, जब उन्हें लगा कि उन्हें ऐसा करना चाहिए। जब हमने उनके साथ काम किया था, तब हमारे बीच ऐसा कुछ नहीं था। तो शायद वह उनकी जिंदगी का एक अलग समय है।’ मेघना ने आगे कहा, ‘वह माँ हैं, उनका एक बच्चा है और अब वह अपने दूसरे बच्चे की उम्मीद कर रही हैं। आप किसी से सिर्फ इसलिए कुछ नहीं

छीन सकते कि वह अपनी किसी जरूरत के बारे में बात कर रही हैं। उसकी जिंदगी की परिस्थितियाँ बदलती रहती हैं और आपको इसे समझना होगा।’ मेघना के मुताबिक, अगर किसी कलाकार की शर्तें किसी प्रोजेक्ट के लिए संभव नहीं हैं, तो दोनों पक्ष अपने-अपने फैसले ले सकते हैं। वह कहती हैं, ‘अगर उनकी ये शर्तें आपके लिए काम नहीं करती, तो मत कीजिए। और वह भी इसके साथ ठीक हैं। महिला कलाकारों को लेकर इंडस्ट्री में आए बदलाव पर मेघना कहती हैं, ‘पिछले कुछ साल में मैंने महिला कलाकारों में यह बदलाव देखा है कि अब उनकी बात सिर्फ सहानुभूति के लिए नहीं सुनी जाती। पहले ‘बेचारी’ कहकर उनकी बात सुन ली जाती थी। अब ऐसा कम होता है। यह बहुत बड़ा बदलाव है। अब उनकी बात बराबरी के नजरिए से सुनी जाती है।’

नवाजुद्दीन के काम में आपको एक नयापन देखने को मिलेगा



अभिनेत्री श्रुति देशपांडे ने थिएटर नाटक ‘नकाब’ में अभिनेता नवाजुद्दीन सिद्दीकी के साथ स्टैज शेयर किया है। अभिनेत्री ने बातचीत में नवाजुद्दीन सिद्दीकी के साथ काम करने के अनुभव को शेयर करते हुए बताया कि वे अपने काम में हर बार कुछ नयापन जरूर लेकर आते हैं। अभिनेत्री ने बताया, ‘नवाजुद्दीन उम्दा किस्म के कलाकार हैं, उनके काम में आपको एक नयापन देखने को मिलेगा। वह जो भी करते हैं, उसमें कुछ नया और अलग लेकर आते हैं।’ अभिनेत्री ने नवाजुद्दीन सिद्दीकी के साथ अपना शिकागो का अनुभव शेयर करते हुए बताया, ‘शिकागो में हम शो कर रहे थे और उसी समय थिएटर में कुछ तकनीकी समस्या हो गई थी, जिसके बाद नवाज का माइक काम नहीं कर रहा था और उससे आवाज नहीं आ रही थी, जिसके दर्शक चिल्लाने लगे कि उन्हें आवाज सुनाई नहीं दे रही है। जब आप लाइव परफॉर्म कर रहे हैं और दर्शक चिल्ला रहे हैं कि आवाज नहीं आ रही, तो बहुत ज्यादा ध्यान भटकता है। नवाज को अपनी आवाज तेज करनी पड़ी और जोर से बोलना पड़ा। एक एक्टर एक हद तक ही तेज आवाज में बोल सकता है, इसलिए हमने भी उनका साथ दिया और अपनी आवाज को उसी हिसाब से एडजस्ट किया।’ उन्होंने आगे कहा, ‘आखिर में उन्हें अपना माइक ठीक करवाने के लिए बैकस्टेज जाना पड़ा। चूंकि यह उनका पहला थिएटर एक्सपीरियंस था और मैं कई सालों से थिएटर कर रही थी, इसलिए मुझे लगा कि उस वक्त मुझे जिम्मेदारी लेनी चाहिए। मैंने थोड़ा इम्प्रोवाइज किया और हमने उस

टैविनकल खराबी और छोटे से ब्रेक को संभाल लिया, फिर शो आगे बढ़ाया। अभिनेत्री ने आगे कहा कि स्क्रीन और थिएटर में बड़ा फर्क है कि थिएटर में आपको सब कुछ उसी वक्त संभालना पड़ता है और स्क्रीन पर रीटेक हो जाता है। उन्होंने कहा, ‘आपको टैविनकल प्रॉब्लम, ऑडिअंस और परफॉर्मिंग को बिना यह दिखाए मैनेज करना होता है कि कुछ गड़बड़ हुई है। मुझे लगता है कि उनसे मेरी सबसे बड़ी सीख यही थी।’

टैविनकल खराबी और छोटे से ब्रेक को संभाल लिया, फिर शो आगे बढ़ाया। अभिनेत्री ने आगे कहा कि स्क्रीन और थिएटर में बड़ा फर्क है कि थिएटर में आपको सब कुछ उसी वक्त संभालना पड़ता है और स्क्रीन पर रीटेक हो जाता है। उन्होंने कहा, ‘आपको टैविनकल प्रॉब्लम, ऑडिअंस और परफॉर्मिंग को बिना यह दिखाए मैनेज करना होता है कि कुछ गड़बड़ हुई है। मुझे लगता है कि उनसे मेरी सबसे बड़ी सीख यही थी।’



‘आवारापन 2’ की सफलता पर इमरान हाशमी का भावुक

इमरान हाशमी इन दिनों स्वाइन फ्लू से ठीक हो रहे हैं, लेकिन उनकी लेटेस्ट फिल्म ‘आवारापन 2’ को बॉक्स ऑफिस पर मिल रही शानदार सफलता ने उन्हें काफी खुश कर दिया है। साल 2007 में रिलीज हुई फिल्म ‘आवारापन’ बॉक्स ऑफिस पर प्लॉप रही थी। ऐसे में उसके सीक्वल की इतनी बड़ी सफलता ने फिल्म इंडस्ट्री को भी हैरान कर दिया है।

फैंस का किया धन्यवाद

अब इमरान हाशमी ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक पोस्ट शेयर कर दर्शकों का शुक्रिया अदा किया है। उन्होंने मंगलवार को लिखा, ‘कुछ फिल्में ऐसी होती हैं जिन पर आप काम करते हैं और फिर कुछ फिल्में ऐसी होती हैं, जिनका हिस्सा होने पर आपको दिल से गर्व महसूस होता है।’ ‘आवारापन 2’ ऐसी ही फिल्म है। यह एक ऐसी बेहद खास और दुर्लभ सफलता बन

गई है, जो बहुत कम देखने को मिलती है। एक ऐसी फिल्म, जिसने दो दशक पहले दर्शकों का प्यार नहीं मिला था, वह अपने सीक्वल के साथ वापस आई और बॉक्स ऑफिस पर इतिहास बदलने के लिए तैयार थी। यह एक इमोशन से भरपूर एक्शन म्यूजिकल फिल्म है, जिसे शानदार विजुअल स्कैल पर बनाया गया है। फिल्म में बेहद अलग और लंबे समय तक याद रहने वाला म्यूजिक है।

फिल्म का हिस्सा बनना मेरे लिए बेहद खास रहा

उन्होंने आगे लिखा, ‘मैं सच में मानता हूँ कि इस फिल्म को दर्शकों के साथ और सिनेमाघरों में देखना सबसे बेहतर अनुभव है। इस पूरी कहानी के केंद्र में विशाल हैं, जिन्होंने ‘आवारापन’ की दुनिया बनाई। उनका विजन और अपने काम पर भरोसा ही इस फिल्म से जुड़े हर व्यक्ति और हर चीज को आकार देता रहा। मुझे बहुत खुशी है कि हमने साथ मिलकर यह कदम उठाया और यह सफर तय किया। इतनी शानदार स्टारकास्ट, म्यूजिक की जीनियस टीम और क्रिएटिव ब्रिलियंस वाली फिल्म का हिस्सा बनना मेरे लिए बेहद खास रहा है।’

अब तक की सबसे बेहतरीन फिल्म

इमरान ने आगे ‘आवारापन 2’ को अपनी अब तक की सबसे बेहतरीन फिल्म तक बता दिया। उन्होंने दर्शकों से फिल्म को सिनेमाघरों में देखने की अपील करते हुए कहा, ‘इसलिए बहुत देर होने से पहले आवारापन 2 को सिनेमाघरों में जाकर जरूर देखें। इस इमोशनल रोलर कोस्टर को महसूस करें। म्यूजिक को खुद पर हावी होने दें और फिल्म का उसी तरह जश्न मनाएं, जिस तरह इसे मनाया जाना चाहिए— बड़ी स्क्रीन, बड़ी आवाज और एक शानदार सिनेमैटिक एक्सपीरियंस के साथ।’



खतरों के खिलाड़ी 15 से जल्दी बाहर होने का दर्द अब भी दिल में है



अभिनेत्री अविका गौर ने ‘खतरों के खिलाड़ी 15’ से अपने एलिमिनेशन के बाद पहली बार अपने अनुभव और भावनाओं के बारे में खुलकर बात की है। शो से इतनी जल्दी बाहर होना उनके लिए आसान नहीं रहा। अविका ने कहा कि एलिमिनेशन के बाद जब वह घर बैठकर शो देखती हैं, तो उनके मन में बार-बार यही ख्याल आता है कि अगर वह उस वक्त वहां होती, तो शायद और बेहतर कर सकती थीं। हालांकि, बाद में उन्हें यह भी एहसास होता है कि टीवी पर बैठकर किसी स्टंट को देखना और खुद उस डर, दबाव और एड्रेंालिन के बीच उसे करना बिल्कुल अलग बात है।

अविका गौर ने इंस्टाग्राम पर एक लंबा नोट शेयर किया और बताया कि ‘खतरों के खिलाड़ी’ ने उनकी जिंदगी और खुद को देखने के नजरिए पर काफी असर डाला है। उन्होंने लिखा, ‘मैंने ‘खतरों के खिलाड़ी’ देखने के बाद अपने बारे में एक बात महसूस की है। मैं खुद को यह सोचते हुए पाती हूँ कि अगर मैं वहां होती, तो मैंने हार नहीं मानी होती। मैं और ज्यादा कोशिश करती। मैं बेहतर करती।’ अविका ने आगे मजाकिया अंदाज में कहा, ‘‘शो को आराम से सोफे पर बैठकर देखने के दौरान मुझे ऐसा लगने लगता है, जैसे मैं ‘खतरों के खिलाड़ी’ की एक्सपर्ट बन गई हूँ। लेकिन फिर याद आता है कि मैं अपनी जिंदगी के आरामदायक माहौल में बैठकर शो देख रही हूँ। मुझे न तो उस समय का दबाव महसूस हो रहा है और न ही उस स्टंट को करने का डर। बाहर बैठकर किसी स्थिति का हीरो बनना बहुत आसान है। जब कोई चीज हमारे लिए बहुत मायने रखती है, तो हम उसे बार-

बार अपने दिमाग में दोहराते हैं, अलग-अलग फैसलों की कल्पना करते हैं और कहानी का एक ऐसा वर्जन बना लेते हैं, जो कभी हुआ ही नहीं।’ अविका ने कहा, ‘‘शायद इसी वजह से इतनी जल्दी एलिमिनेट होना मेरे लिए पूरी तरह छोड़ पाना मुश्किल रहा है। मेरे अंदर कहीं न कहीं अभी भी वह लड़की है, जो सोचती है कि मेरे पास देने के लिए बहुत कुछ था। शायद सच में था भी। लेकिन मुझे यह भी समझना होगा कि इस सोच में लगातार जीते रहना सही नहीं है। यह

मानना अलग बात है कि आपके पास और बेहतर करने की क्षमता थी और हर वक्त उस दुनिया में रहना अलगा।’ उन्होंने कहा, ‘‘जब मैंने पहली बार शो किया था, तब मैं सिर्फ 21 साल की थीं। उस समय शो ने मुझे खुद को और अपने भविष्य को एक अलग नजरिए से देखने में मदद की थी। मैं डर का सामना करने और स्टंट करने के इरादे से शो में गई थीं, लेकिन वहां से निकलने के बाद मुझे खुद के बारे में बहुत कुछ नया समझ आया।’

मैंने हमेशा मेहनत कर, खुद को आगे बढ़ाने में विश्वास किया है

मैंने हमेशा मेहनत करने, तैयारी करने, खुद को आगे बढ़ाने और अपनी पसंद की जिंदगी बनाने में विश्वास किया है। इसलिए ऐसी चीज को स्वीकार करना, जो पूरी तरह मेरे नियंत्रण से बाहर हो, मेरे लिए मुश्किल और सच कहूं तो दिल तोड़ने वाला रहा है।’ उन्होंने आगे कहा, ‘‘कई बार इंसान किसी चीज के लिए अपना सब कुछ दे देता है, फिर भी नतीजा वैसा नहीं मिलता जैसा उसने सोचा था। शायद क्लोजर का मतलब यह तय करना नहीं है कि आप शो में बने रहने के लायक थे या आप बेहतर कर सकते थे। असली क्लोजर यह स्वीकार करना है कि कहानी उस तरह खत्म नहीं हुई, जिस तरह हमने अपने दिमाग में लिखी थी।’

सैंसेक्स

76515.43 पर बंद

निफ्टी

23897.70 पर बंद

ब्यापार

संक्षिप्त

समाचार

757 रुपये पर लिस्ट हुआ आईपीओ, पहले दिन ही 76 प्रतिशत का फायदा

नईदिल्ली, एजेंसी। ईएसडीएस साफ्टवेयर साल्यूएशनशन के आईपीओ ने गदर मचा दिया है। बीएसई में कंपनी की लिस्टिंग 73.96 प्रतिशत के प्रीमियम के साथ 746.30 रुपये पर हुई है। वहीं, एनएसई में कंपनी के शेयरों की लिस्टिंग 76.46 प्रतिशत के प्रीमियम के साथ 757 रुपये पर हुई है। बता दें, इस मेनबोर्ड आईपीओ का प्राइस बैंड 429 रुपये था। कंपनी ने 34 शेयरों का एक लॉट बनाया था। जिसकी वजह से निवेशकों को कम से कम 14586 रुपये का दांव लगाना पड़ा था।

ग्रे मार्केट दे रहा था मजबूत लिस्टिंग के संकेत-

इनवेस्टर्स गेन की रिपोर्ट के अनुसार आज शुक्रवार को ग्रे मार्केट में आईपीओ 244 रुपये के प्रीमियम पर ट्रेड कर रहा था। जोकि 56 प्रतिशत के लिस्टिंग गेन के संकेत दे रहा था। बता दें, ग्रे मार्केट में आईपीओ की सबसे मजबूत स्थिति 29 अगस्त को थी। तब आईपीओ 372 रुपये के प्रीमियम पर ट्रेड कर रहा था।

कितना था आईपीओ का साइज-

आईपीओ का साइज 720 करोड़ रुपये का है। आईपीओ एंकर ज़रिए कंपनी 1.68 करोड़ फ्रेंश शेयर जारी की है। यह आईपीओ 28 अगस्त को खुला था। निवेशकों के पास 1 सितंबर तक दांव लगाने का मौका था। आईपीओ को तीन दिन के सब्सक्रिप्शन के दौरान 142 गुना बोलियां मिली थी। आईपीओ को रितेल कैटगरी में आईपीओ में 41 गुना सब्सक्राइब किया गया था। न्यूआईबी में 274.97 गुना बोलियां मिली थी। वहीं, एनआईआई में 202 गुना सब्सक्राइब किया गया था।

एंकर निवेशकों से कंपनी ने जुटाए 216 करोड़ रुपये-

इस कंपनी का आईपीओ एंकर निवेशकों के लिए 27 अगस्त को खुला था। आईपीओ एंकर इनवेस्टर्स से कुल 216 करोड़ रुपये जुटाए हैं। बता दें, एंकर निवेशकों को जारी 50 प्रतिशत शेयरों का लॉक इन पीरियड 30 दिन का है। बाकि 50 प्रतिशत का 90 दिन का लॉक इन पीरियड है।

रतन टाटा के शेरः 37 साल पुरानी एक शर्त से फंस गया पेच

नई दिल्ली, एजेंसी। दिवंगत उद्योगपति रतन टाटा को विरासत में मिले टाटा संस के शेयरों पर पेच फंस गया है। रतन टाटा ने अपनी वसीयत में इन शेयरों को दो चैरिटेबल संस्थाओं रतन टाटा एंडोमेंट फंड और रतन टाटा एंडोमेंट ट्रस्ट को देने की घोषणा की थी। इन दोनों संस्थाओं का गठन रतन टाटा ने ही किया था। लेकिन 37 साल पुराने एक मामले पर आए फैसले से इसमें अड़चन आ गई है। महाराष्ट्र चैरिटी कमिश्नर ने 1989 में नवाजबाई रतन टाटा ट्रस्ट से नवल टाटा को 833 टाटा संस शेयर ट्रांसफर करने के फैसले को सही ठहराया। लेकिन इसके साथ ही डील से जुड़ी एक शर्त का भी खुलासा हो गया जो कम ही लोगों को पता थी। इसके मुताबिक इन शेयरों को होल्डर अपने रिश्तेदारों को ही ट्रांसफर किए जा सकते हैं। इन्हें किसी थर्ड पार्टी को नहीं दिया जा सकता है।

रतन टाटा की वसीयत

टीओआई की एक रिपोर्ट के मुताबिक नवल ने इन शेयरों को अपनी पत्नी सिमोन और अपने तीन बेटों रतन, जिमी और नोएल के बीच बांट दिया था। सिमोन ने अपने शेयर अपने बेटे नोएल और उसके तीन बच्चों को दे दिए जबकि जिमी और नोएल के पास अभी भी अपने शेयर हैं। रतन टाटा के शेयर उनकी संपत्ति का हिस्सा हैं और उनका प्रबंध उनके एजीक्यूटर कर रहे हैं। इनमें उनकी दो सौतेली बहनें शिरिन और डियाना जीजीभाय शामिल हैं। इसलिए, इन संस्थाओं को रतन टाटा का शेयर वसीयत में देना सीधे तौर पर शर्त का उल्लंघन है।

एस्कॉर्ट्स कुबोटा ने 6055 क्लासिक ‘डार्क एडिशन’ और प्रोमैक्स 2.0 रेंज पेश की

फरीदाबाद, एजेंसी। एग्री-मशीनरी और कॉन्स्ट्रक्शन उपकरण कंपनी, एस्कॉर्ट्स कुबोटा के फार्मट्रेक ब्रांड को भारत में 3 दशक होने के उपलक्ष्य में कंपनी ने दो नए प्रोडक्ट पेश किए हैं। इसका 6055 क्लासिक डार्क एडिशन फार्मट्रेक पोर्टफोलियो में पल्ला ऑल-व्हेलक ट्रैक्टर है। यह 55 एचपी कैटेगरी का मॉडल टू-व्हील ड्राइव और फोर-व्हील ड्राइव (4व्ही), दोनों विकल्पों में पेश किया गया है। इसके अलावा, प्रोमैक्स सीरीज का विस्तार “प्रोमैक्स 2.0” सीरीज में करते हुए दो नए मॉडल, 47 एचटी प्रोमैक्स (47एचपी) और 50 प्रोमैक्स (50एचपी कैटेगरी) पेश किए गए हैं। ये दोनों ट्रैक्टर 2व्हील और 4व्हील वैरिएंट्स में उपलब्ध हैं। कंपनी भारत में प्रीमियम, एग्री-प्रीमियम और वैल्यू सेगमेंट को सेवाएं देने के लिए क्रमशः तीन ट्रैक्टर ब्रांड, कुबोटा, फार्मट्रेक और पॉवरट्रेक पेश करती है। एस्कॉर्ट्स ने फार्मट्रेक को लॉन्च 1995 में किया था। आज यह ब्रांड भारत में 26एचपी से लेकर 60एचपी तक के

ट्रैक्टर पेश करता है।

फार्मट्रेक 6055 क्लासिक ‘डार्क एडिशन’ में एक मजबूत चार सिलेंडर, 3682 सीसी का इंजन लगा है, जो 247एनएम का अधिकतम टॉर्क उत्पन्न करता है,

ताकि खेत की मुश्किल परिस्थितियों में भी लगातार परफॉर्मेंस मिल सके। यह 2,500 किलोग्राम हैवी-ड्यूटी हाइड्रोलिक लिफ्ट प्रदान करता है। इसमें एलईडी लाइटिंग के साथ एक हीट शील्ड भी दी गई है। यह उन किसानों

अब घर बैठे पेंशन शुरू करना होगा आसान, छोटे शहरों और दूरदराज के इलाकों में मदद करेंगे ओएनपीएस मित्र

नई दिल्ली। पेंशन नियामक ने पॉइंट्स ऑफ प्रेजेंस के नियमों में बदलाव का प्रस्ताव रखा है। ऋणक वो बैंक या संस्थान होते हैं जो नेशनल पेंशन सिस्टम की सेवाएं लोगों तक पहुंचाते हैं। इन बदलावों का मकसद ऋणक के नेटवर्क को खासकर उन इलाकों में बढ़ाना है जहां अभी पेंशन की सुविधाएं कम हैं। साथ ही, इससे नए ग्राहकों को जोड़ना और उनकी समस्याओं को सुलझाना आसान हो जाएगा। पेंशन एजेंटों का नाम बदलकर मित्र करने का सुझाव दिया है।

इन बदलावों का असर सुविधाओं और पहुंच पर पड़ेगा। अब पारंपरिक बैंकों और वित्तीय संस्थानों के दायरे से बाहर निकलकर और भी कई तरह की संस्थाओं को बनने की इजाजत दे रहा है। अगर ये नियम लागू होते हैं, तो निवेशकों

के लिए खाता खोलना और उसे मैनेज करना बहुत आसान हो जाएगा, खासकर

उन लोगों के लिए जो छोटे शहरों या दूर-दराज के इलाकों में रहते हैं।

धोखाधड़ी या लापरवाही हुई तो?

अगर किसी कर्मचारी, मित्र या किसी अन्य व्यक्ति (जिसकी सेवा ली जा रही है) की वजह से कोई गलती होती है, तो उसके लिए (संस्था) ही जिम्मेदार मानी जाएगी। साबित होने पर उस नुकसान की भरपाई करनी होगी। मित्र को नियुक्त करने के बाद भी अपनी जिम्मेदारी से पल्ला नहीं झाड़ सकेंगे।

जानकारी पूरी तरह गुप्त रहेगी

नए नियमों के मुताबिक मित्रों को ग्राहकों के रिकॉर्ड, डेटा और जुड़ी जानकारीयों को पूरी तरह गोपनीय रखना होगा। सिवाय उन मामलों के जहां कानून के तहत जानकारी देना अनिवार्य हो।

सर्विस देने का तरीका बदलेगा

दो श्रेणियों में बांटा जाएगा। फिजिकल मोड (दफ्तर जाकर) और डिजिटल मोड (ऑनलाइन)। डिजिटल मोड सिर्फ उन लोगों के लिए होगा जो ऑनलाइन ही ग्राहकों को जोड़ेंगे और सेवा देंगे।

फिजिकल की आवेदन फीस 10,000 रुपये से बढ़ाकर 25,000 रुपये करने का प्रस्ताव है, जबकि डिजिटल के लिए कोई फीस नहीं लेगी। जो ऑनलाइन ग्राहकों को जोड़ेंगे, उन्हें हर पेंशन स्कीम के लिए एक अलग ‘डिजिटल कलेक्शन अकाउंट’ रखना होगा।

7 दिन के भीतर जानकारी

अगर किसी जानकारी या स्थिति में कोई बड़ा बदलाव होता है, जिससे उनके रजिस्ट्रेशन पर असर पड़ सकता है, तो उन्हें 7 दिनों के भीतर को इसकी जानकारी देनी होगी। (लिमिटेड लायबिलिटी पार्टनरशिप), सोसायटियां, को-ऑपरेटिव सोसायटियां भी बन सकेंगी।

यूआई से गोल्ड इंपोर्ट में 175 प्रतिशत बढ़ोतरी पीएम नरेंद्र मोदी की अपील के बावजूद बढ़ गया आयात

यूआई से क्यों बढ़ा आयात?

इस बढ़त में बढ़ा रहल रहा। जून में यूआई से आयात 175.2 प्रतिशत बढ़कर 64.94 करोड़ डॉलर का रहा, जबकि बाकी दुनिया से इंपोर्ट 17.7 प्रतिशत घटकर 1.32 बिलियन डॉलर पर आ गया। यूआई से आयात जहां 41.35 करोड़ डॉलर बढ़ गया, वहीं बाकी देशों से यह 28.41 करोड़ डॉलर घट गया। इस तरह भारत के कुल गोल्ड इंपोर्ट में का हिस्सा सालभर पहले के 12.8 प्रतिशत से बढ़कर 33 प्रतिशत हो गया।

हाई-वैल्यू और कम मार्जिन वाले बुलियन ट्रेड में 1 पर्सेंटेंज पॉइंट का अंतर भी काफी बड़ा है। आयात ज्यादा दिखने में गोल्ड के ऊंचे दाम का असर भी हो सकता है

अप्रैल-जून तिमाही में यूआई से इंपोर्ट 124.8 प्रतिशत बढ़कर 3.14 बिलियन डॉलर का हो गया। यह बाकी दुनिया से आयात में 29.3 प्रतिशत की बढ़ोतरी के 4 गुने से भी ज्यादा बढ़ा। इस तिमाही में भारत के कुल गोल्ड इंपोर्ट में 3.53 बिलियन डॉलर की बढ़त रही, जिसमें 1.74 बिलियन डॉलर का हिस्सा का रहा।

सोनेका आयात

- 13 मई : सरकार ने इयूटी 6 प्रतिशत से बढ़ाकर 15 प्रतिशत की थी
- 32 प्रतिशत: अप्रैल-जुलाई के दौरान गोल्ड इंपोर्ट में हुई कुल बढ़त।
- .15.17 बिलियन: अप्रैल-जुलाई के बीच सोने के आयात की कुल कीमत।
- 47.1 प्रतिशत: गोल्ड बार के आयात में आई बढ़ोतरी (अप्रैल-जून)।
- 175.2 प्रतिशत: जून में यूआई से होने वाले आयात में हुई बढ़ोतरी।
- 33 प्रतिशत: कुल गोल्ड इंपोर्ट में यूआई का हिस्सा (अप्रैल-जून)।
- 3.14 बिलियन: अप्रैल-जून तिमाही में यूआई से हुआ आयात।

तया है वजह

ट्रेड सोर्सेंज के मुताबिक, जून में यूआई से ज्यादा आयात के पीछे इयूटी इंबेक लेने की ट्रिक रही क्योंकि कइयों ने भारत से जूलीरी ले जाकर वहां से फिर उसे गोल्ड बार के रूप में इंपोर्ट किया। वहीं, जीटीआरआई के फाउंडर अजय श्रीवास्तव ने यूआई से 2022 की ट्रेड डील का हवाला दिया, जिसमें तय किया गया था कि मोस्ट फेवर्ड नेशन इयूटी से 1 प्रतिशत कम पर वहां से गोल्ड इंपोर्ट होगा। श्रीवास्तव ने कहा, ‘हाई-वैल्यू और कम मार्जिन वाले बुलियन ट्रेड में 1 पर्सेंटेंज पॉइंट का अंतर भी काफी बड़ा है। आयात ज्यादा दिखने में गोल्ड के ऊंचे दाम का असर भी हो सकता है, पर सरकार को देखना चाहिए कि इयूटी में छूट की वजह से ऑरिजिन ट्रेड बढ़ रहा है या दूसरे देशों से दुबई के जरिए माल आ रहा है क्योंकि कोई गोल्ड माइन नहीं है।’

एयरटेल के 37.6 करोड़ ग्राहकों को डुओलिंगो देगा 12 महीने का सुपर सब्सक्रिप्शन

दिल्ली, एजेंसी। दुनिया के अग्रणी मोबाइल लर्निंग प्लेटफॉर्म डुओलिंगो ने भारत के सबसे बड़े दुर्संचार सेवा प्रदाताओं में से एक भारती एयरटेल के साथ साझेदारी की है। इस साझेदारी के तहत एयरटेल के 37.6 करोड़ ग्राहकों को बिना किसी अतिरिक्त शुल्क के 12 महीने तक सुपर डुओलिंगो का लाभ मिलेगा। डुओलिंगो दुनिया का सबसे लोकप्रिय भाषा सीखने का प्लेटफॉर्म है। इसका उद्देश्य दुनिया की बेहतरीन शिक्षा विकसित करना और उसे सभी के लिए सुलभ बनाना है। इसका भाषा सीखने वाला ऐप

40 से अधिक भाषाओं में पाठ्यक्रम उपलब्ध कराता है। छोटे-छोटे पाठों, गेमिफिकेशन, व्यक्तिगत सीखने और एआई-संचालित सुविधाओं के माध्यम से यह भाषा सीखने को रोचक, सुलभ और प्रभावी बनाता है। डुओलिंगो पर उपयोगकर्ता शतरंज, गणित और संगीत भी सीख सकते हैं। इस साझेदारी से एयरटेल के ग्राहक डुओलिंगो के प्रीमियम, विज्ञापन-मुक्त सीखने के अनुभव का लाभ उठा सकेंगे। इसके तहत उन्हें अनलिमिटेड एनर्जी, एआई की मदद से रीयल-टाइम बोलने का अभ्यास, उनकी जरूरतों के अनुरूप अभ्यास और

अपनी गलतियों की समीक्षा करने जैसी सुविधाएं मिलेंगी। भाषा कौशल आज शिक्षा, करियर और वैश्विक अवसरों तक पहुंच का एक महत्वपूर्ण माध्यम बनते जा रहे हैं। इस साझेदारी के माध्यम से एयरटेल अपने ग्राहकों तक एक उच्च गुणवत्ता वाला डिजिटल लर्निंग प्लेटफॉर्म पहुंचाकर उन्हें बेहतर और विशिष्ट अनुभव देने की दिशा में एक और कदम बढ़ा रहा है। यह सुविधा ग्राहकों को आसान और रोचक तरीके से अपनी भाषा कौशल विकसित करने तथा नियमित रूप से सीखने की आदत बनाने का अवसर देती है।

मुंबई, एजेंसी। भारत में निजी क्षेत्र के सबसे बड़े बैंकों में से एक, एक्सिस बैंक और भारत की प्रमुख यात्रा फिनेटेक कंपनी, स्कैपिया ने आज ‘स्कैपिया एक्सिस बैंक क्रेडिट कार्ड’ लॉन्च किया। यह कार्ड भारत की उस नई पीढ़ी के यात्रियों के लिए तैयार गया है, जो हर खर्च को अपनी अगली यात्रा की दिशा में एक कदम मानते हैं। यह कार्ड भुगतान, रिवांड और यात्रा से जुड़ी सुविधा एक ही ऐप पर पेश करता है, जिससे ग्राहक स्कैपिया के जरिए अपने खर्चों पर नजर रख सकते हैं, यात्रा के लिए बुकिंग कर सकते हैं और रिवांड रिडीम कर सकते हैं। हर पात्र खर्च और यूपीआई लेन-देन (ट्रांजैक्शन) पर रिवांड मिलते हैं, जिन्हें उड़ान, होटल में ठहरने, विशिष्ट अनुभवों, खरीदारी और अन्य चीजों के लिए रिडीम

भारती एयरटेल फाउंडेशन ने शिक्षक दिवस पर द टीचर ऐप की देशभर में लगभग 3 लाख उपयोगकर्ताओं तक पहुंचने की उपलब्धि हासिल की

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत में शिक्षक दिवस मनाने की तैयारी के बीच, भारती एंटरप्राइजेज की प्रोपकारी इकाई भारती एयरटेल फाउंडेशन ने घोषणा की कि उसका आजीवन निःशुल्क डिजिटल प्लेटफॉर्म द टीचर ऐप देशभर में करीब 3 लाख उपयोगकर्ताओं तक पहुंच चुका है। भारती एयरटेल फाउंडेशन ने उत्तर प्रदेश, राजस्थान, जम्मू-कश्मीर और उत्तराखंड की सरकारों के साथ साझेदारी की है। इसके तहत शिक्षकों के लिए राज्य-स्तरीय सतत व्यावसायिक विकास (सीपीडी) कार्यक्रमों को सहयोग दिया जा रहा है। फाउंडेशन इसी तरह की साझेदारी के लिए अन्य राज्यों के साथ भी काम कर रहा है। भारत में स्कूली शिक्षा को मजबूत करने और देशभर में शिक्षकों को सहयोग देने के अपने लंबे अनुभव के आधार पर भारती एयरटेल फाउंडेशन ने द टीचर ऐप की परिकल्पना राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के अनुरूप सतत व्यावसायिक विकास के लिए एक प्लेटफॉर्म के रूप में की। नवंबर 2024 में शुरू किए गए इस ऐप में व्यावसायिक सीखने के संसाधन, कक्षा-केंद्रित उपकरण और सहयोगी समुदाय को एक साथ लाया गया है। यह शिक्षकों को कक्षा की बदलती जरूरतों के अनुरूप खुद को ढालने और भारतभर में लाखों विद्यार्थियों के सीखने के परिणामों को बेहतर बनाने में सक्षम बनाता है।

किया जा सकता है। मास्टरकार्ड और रुपये दोनों नेटवर्क पर उपलब्ध यह कार्ड सभी खर्चों के लिए ‘टैप से टेकऑफ’ तक की खास डिजिटल सुविधाएं पेश करता है। यह भार्गीदारी, एक्सिस बैंक की कार्ड

संक्षिप्त

समाचार

एनडीएमसी की 99 परियोजनाओं की हर सप्ताह समीक्षा तय, अब दिल्ली में दोगुनी होगी विकास कार्यों की रफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी। नई दिल्ली नगर पालिका परिषद (एनडीएमसी) की 99 नई और चल रही परियोजनाओं की अब हर सप्ताह समीक्षा और निगरानी होगी। एनडीएमसी चेयरमैन मनोज कुमार द्विवेदी ने बताया कि परियोजनाओं के क्रियान्वयन में तेजी लाने के लिए यह नया ढांचा तैयार किया गया है। इसका उद्देश्य नियमित निगरानी के साथ त्वरित निर्णय लेना, परियोजनाओं की प्राथमिकता तय करना और काम में आने वाली बाधाओं को दूर करना है। चेयरमैन मनोज कुमार द्विवेदी ने बताया कि 99 परियोजनाओं की सूची तैयार की गई है, जिनकी साप्ताहिक आधार पर समीक्षा की जाएगी। इसके लिए गैरजट्ट मीटिंग जैसी कार्यप्रणाली अपनाई जाएगी, ताकि परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा के दौरान सामने आने वाली समस्याओं पर तत्काल निर्णय लिया जा सके। इससे विभिन्न स्तरों पर निर्णय लेने में होने वाली देरी को कम किया जाएगा। उन्होंने बताया कि सभी परियोजनाओं की निगरानी के लिए एनडीएमसी ने इन-हाउस डेवेलपर्स भी विकसित किया है। इसमें प्रत्येक परियोजना की प्रगति, संबंधित अधिकारी की जवाबदेही, काम में आ रही बाधाएं और तय समय से पीछे चल रही परियोजनाओं की जानकारी दर्ज होगी। इससे परियोजनाओं में देरी के कारणों की पहचान कर समय रहते सुधारात्मक कदम उठाए जा सकेंगे।

सीजेपी में पहली बगावत : सीजेपी-डी का हुआ गठन, कार्यकर्ताओं ने वर्यों लिया ये बड़ा फैसला ?

नई दिल्ली, एजेंसी। कॉंग्रेस जनता पार्टी में पहली बगावत सामने आई है। सीजेपी के पूर्व स्वयंसेवक और आंदोलन से जुड़े मनीष ब्रह्मभट्ट ने जंतर-मंतर के आंदोलन के दौरान जमीनी व पुराने कार्यकर्ताओं को तरजीह न देने पर काकाचोच जनता पार्टी-लोकतांत्रिक (सीजेपी-डी) बनाने की घोषणा की। दिल्ली के प्रेस क्लब में प्रेसवार्ता के दौरान मनीष ब्रह्मभट्ट ने कहा कि सीजेपी का आंदोलन युवाओं और छात्रों के मुद्दों को लेकर शुरू हुआ था। इसमें देशभर के लोगों और स्वयंसेवकों ने योगदान दिया। आंदोलन की सफलता के बाद संगठन की राष्ट्रीय टीम बनाने समय जमीनी कार्यकर्ताओं और स्वयंसेवकों से उनकी राय नहीं ली गई। उन्होंने आरोप लगाया कि 12 सदस्यीय टीम का गठन लोकतांत्रिक तरीके से नहीं किया गया। उन्होंने सीजेपी नेतृत्व पर आम आदमी पार्टी के करीब जाने का भी आरोप लगाया। ब्रह्मभट्ट के मुताबिक, नई टीम में शामिल कई लोगों के पूर्व में आप से संबंध रहे हैं। उन्होंने कहा कि सीजेपी को किसी राजनीतिक दल की टीम बनने के बजाय युवाओं और स्वयंसेवकों का लोकतांत्रिक मंच बने रहना चाहिए। इन आरोपों पर सीजेपी की ओर से तत्काल कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई थी।

लॉरेंस हिरासत बढ़ी, वगैल दीपक खत्री की पुलिस हिरासत बढ़ी, रणों के बीच संपर्क कराने की भूमिका भी जांच के घेरे में

नई दिल्ली, एजेंसी। गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई की कानूनी टीम से जुड़े अधिवक्ता दीपक खत्री की पुलिस हिरासत को न दो दिन के लिए बढ़ा दी। खत्री को अवैध हथियार आपूर्ति नेटवर्क से जुड़े यूरोपीय मामले में गिरफ्तार किया गया है। इससे पहले राउज एवेन्यू स्थित विशेष न्यायाधीश की अदालत ने उसे पांच दिन की पुलिस हिरासत में भेजा था, जिसकी अवधि पूरी होने पर उसे बृहस्पतिवार को अदालत में पेश किया गया। दिल्ली पुलिस ने मामले की जांच के लिए खत्री की पांच दिन की अतिरिक्त हिरासत मांगी थी। हालांकि, अदालत ने मांग के अनुरूप रिमांड न देते हुए उसकी हिरासत शनिवार तक, यानी दो दिन के लिए बढ़ाई है। पुलिस के मुताबिक, खत्री को दिल्ली पुलिस ने इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे से गिरफ्तार किया था। उनके खिलाफ लुकआउट सर्चवॉर जारी किया गया था और वह दुबई से दिल्ली पहुंचा था। इसके बाद क्राइम ब्रांच की ओर से हथियार तस्करी के एक मामले में की जा रही जांच में उसकी भूमिका की पड़ताल शुरू की गई। जांच एजेंसी को आशंका है कि खत्री के अवैध हथियार आपूर्ति नेटवर्क से संबंध हैं। पुलिस यह भी जांच कर रही है कि क्या उसने अलग-अलग आपराधिक गिरोहों के सदस्यों के बीच संपर्क स्थापित करने में कोई भूमिका निभाई थी। यह मामला हथियारों की तस्करी से जुड़े नेटवर्क की जांच के दौरान सामने आया।

दिल्ली-यूपी और बिहार समेत 20 राज्यों में भारी बारिश का अलर्ट, तूफानी हवाएं मचाएंगी कोहराम

लखनऊ, पटना, उत्तराखंड, एजेंसी। देशभर में मानसून एक बार फिर अपने उग्र रूप में लौट आया है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग के ताजा अपडेट के अनुसार उत्तर प्रदेश, बिहार और राजधानी दिल्ली समेत देश के लगभग 20 राज्यों में मूसलाधार बारिश और भयंकर आंधी की चेतावनी जारी की गई है।

इस दौरान कई इलाकों में 70 से 80 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तूफानी हवाएं चलने का अनुमान है। लगातार हो रही भारी बारिश की वजह से कई नदियों का जलस्तर तेजी से बढ़ने की आशंका है। इसके साथ ही, पहाड़ी इलाकों में सफर करने वालों के लिए भूस्खलन और पूर्वी राज्यों में बिजली गिरने की गंभीर चेतावनी दी गई है। मौसम विशेषज्ञों का कहना है कि मध्य प्रदेश के पूर्वोत्तर हिस्से और उसके आसपास के इलाकों में एक कम दबाव का क्षेत्र बन गया है।

इस मौसमी सिस्टम की वजह से मध्य प्रदेश और पश्चिमी हिमालय के कई हिस्सों में अगले कुछ दिनों तक भारी से बहुत भारी बारिश होने की प्रबल संभावना है। इसी मौसमी गतिविधि के कारण देशभर का मौसम अचानक से इतना अस्थिर हो गया है।

मैदानी इलाकों का हाल : **दिल्ली:** देश की राजधानी दिल्ली में आज मौसम काफी सर्द और तूफानी रहने के आसार हैं। मौसम विभाग के अनुसार, दिल्ली में 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज



हवाएं चल सकती हैं और झमाझम बारिश होने की संभावना है। आज अधिकतम तापमान 30 डिग्री और न्यूनतम तापमान 25 डिग्री सेल्सियस के आसपास रह सकता है।

उत्तर प्रदेश: वहीं, उत्तर प्रदेश के मौसम में भी भारी उथल-पुथल देखने को मिलेगी। मेरठ, नोएडा, आगरा, मथुरा, कानपुर, प्रयागराज और वाराणसी सहित कई जिलों में भारी बारिश का अलर्ट जारी किया गया है।

इन इलाकों में 60 से 70 किलोमीटर प्रति घंटे की गति से आंधी चलने का अनुमान है। राजधानी लखनऊ में आज अधिकतम तापमान 31 डिग्री और न्यूनतम 26 डिग्री सेल्सियस रहने की उम्मीद है।

बिहार: प्रदेशवासियों को भी आज खराब मौसम का सामना करना पड़ेगा। पटना, गया, मुजफ्फरपुर और भागलपुर समेत कई जिलों में मूसलाधार बारिश और 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाओं की चेतावनी दी गई है।

पटना में अधिकतम तापमान 33 डिग्री और न्यूनतम 27 डिग्री सेल्सियस तक जा सकता है।

झारखंड: इसी तरह झारखंड के रांची, धनबाद और जमशेदपुर जैसे प्रमुख जिलों में 40 से 50 किलोमीटर की रफ्तार से तूफानी हवाओं के साथ भारी बारिश का अलर्ट है। रांची में अधिकतम तापमान 28 डिग्री और न्यूनतम 23 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान है।

पश्चिम बंगाल: बंगाल के दार्जिलिंग, हावड़ा और कोलकाता जैसे इलाकों में भी आज भारी बारिश और तेज हवाओं का प्रकोप रह सकता है। कोलकाता में तापमान 32 डिग्री से 27 डिग्री सेल्सियस के बीच रहेगा।

मध्य प्रदेश: निम्न दबाव के क्षेत्र का सीधा असर मध्य प्रदेश में भी दिखेगा। भोपाल, ग्वालियर और सागर जैसे जिलों में तेज बारिश के साथ 55 से 60 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से आंधी चलने की पूरी संभावना है।

40 किलो एक्सपायर्डमिर्व, एक साथ वेज-नॉनवेज खाना... बेंगलुरु में क्लब की रसोई सील

बेंगलुरु, एजेंसी। कर्नाटक के स्वास्थ्य मंत्री यू.टी. खादर के निर्देशों पर खाद्य सुरक्षा अधिकारियों ने सहकारनगर स्थित चेयरमैन क्लब में औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान रसोई में एक्सपायर्ड खाद्य पदार्थ, मिसब्रांडेड सामान और वेज-नॉनवेज भोजन को एक साथ रखने को जैसी गंभीर कमियां व अस्वच्छता पाई गई। विभाग ने स्वच्छता और सुरक्षा नियमों के गंभीर उल्लंघन पाए जाने के बाद खाद्य पदार्थों को जब्त कर लिया गया और रसोई को तुरंत प्रभाव से बंद करते हुए कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। दरअसल, यह यह निरीक्षण 3 सितंबर को खाद्य सुरक्षा विंग द्वारा खाद्य सुरक्षा और मानक अधिनियम, 2006 और संबंधित लाइसेंसिंग और पंजीकरण नियमों के प्रावधानों के तहत, निरीक्षण के दौरान खाद्य विभाग के अधिकारियों ने 40 किलोग्राम एक्सपायर्ड मिर्व जम्ब की। जांच के दौरान यह भी सामने आया है कि कि 5 किलोग्राम ब्रेड क्रम्ब्स और 2 किलोग्राम सजीरा खाद्य उत्पादों पर FSSAI

के तय मानकों के मुताबिक जरूरी लेबलिंग नहीं मिली है। जांच के निर्देशों पर खाद्य विभाग के अधिकारियों को भोजन बनाने और उसके रखरखाव वाले हिस्सों में भारी गंदगी मिली। साथ ही, प्रतिबंधित या अनधिकृत कृत्रिम रंगों के इस्तेमाल व भंडारण और खाद्य पदार्थों को सही तरीके से न रखने जैसी गंभीर लापरवाही सामने आई। विभाग के मुताबिक, खाद्य सुरक्षा के नियमों का उल्लंघन कर शाकाहारी और मांसाहारी खाने को एक साथ रखा जा रहा था। निरीक्षण में एक्सपायर्ड खाद्य सामग्री जब्त की गई। स्वच्छता और खाद्य सुरक्षा मानकों में भारी अनियमितताओं को देखते हुए अधिकारियों ने रसोई को तुरंत बंद कर सील कर दिया और खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम के तहत कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी। खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग के अनुसार, यह जांच अभियान आगे भी जारी रहेगा और नियमों की अनदेखी करने वाले खाद्य कारोबारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

चीन को सुपर डैम प्रोजेक्ट को रीडिजाइन करने की सलाह, ड्रेगन को अपनों ने ही आईना दिखाया

बीजिंग, एजेंसी। नेपाल में आई त्रासदी के बाद चीन को ब्रह्मपुत्र नदी पर बन रहे दुनिया के सबसे बड़े डैम पर अपने ही विशेषज्ञों से अहम सलाह मिली है। चीनी विशेषज्ञों के मुताबिक डैम के प्रमुख हिस्सों को रीडिजाइन करने की जरूरत है। चीन की सरकारी पत्रिका सेडिमेंट्री जियोलॉजी एंड टेंथियन जियोलॉजी के हाल के लेख के अनुसार भूवैज्ञानिकों का निष्कर्ष है कि यहां के भूभाग की संरचना ढीली और जुड़ाव कमजोर है। **मजबूत दीवारें और प्रमुख तत्वों को फिर से डिजाइन करने की सिफारिश:** भू-भाग की हलचल या भूकंप से बड़े पैमाने पर अस्थिरता उत्पन्न हो सकती है। लेखकों ने बांध की सुरक्षा और स्थिरता को बढ़ाने व आपदा के जोखिम को कम

करने के लिए जलाशय की ढलानों को मजबूत करने, पानी के तेज बहाव, मिट्टी या पत्थरों को रोकने के लिए मजबूत दीवारें और प्रमुख तत्वों को फिर से डिजाइन करने की सिफारिश की है।

तिब्बत में ब्रह्मपुत्र नदी पर बनाया जा रहा विशाल बांध: तिब्बत में ब्रह्मपुत्र नदी (यारलुंग सांगपो) पर चीन द्वारा बनाए जा रहे 60,000 मेगावाट क्षमता वाले मेदोग सुपर डैम को लेकर भूवैज्ञानिकों और रणनीतिक विशेषज्ञों ने भारत की सुरक्षा, खेती और आबादी के लिए गंभीर चेतावनी जारी की है। 167 अरब डॉलर की लागत से यह बांध बनाया जा रहा है।

अंतरराष्ट्रीय समुदाय को ध्यान देने की जरूरत : **चेलानी:** भारत के अग्रणी भू-रणनीतिक

विशेषज्ञ डॉ. ब्रह्मा चेलानी प्रोजेक्ट सिंडिकेट और द ग्लोब एंड मेल के हालिया लेखों में कहा है जब किसी साम्यवादी शासन के तहत काम करने वाले वैज्ञानिक इस तरह की चेतावनी जारी करते हैं, तो अंतरराष्ट्रीय समुदाय को इस पर ध्यान देना चाहिए। **बांध हिमालयी भूकंपीय क्षेत्र में:** ब्रह्मपुत्र नदी के विशाल मोड़ पर यह बांध बन रहा है, जहां नदी भारत में प्रवेश करने से पहले दुनिया की सबसे गहरी और लंबी घाटी से होकर तीव्र गति से नीचे गिरती है। यह बांध हिमालयी भूकंपीय क्षेत्र में स्थित है, जो भारतीय और यूरोशियन विवर्तनिक प्लेटों के धीमी गति से होने वाले टकराव से बना है। यह पृथ्वी के सबसे अधिक भूकंप संभावित क्षेत्रों में से एक है, जहां विनाशकारी भूकंपों का इतिहास रहा है।

सिर्फ पुराने अल्ट्रासाउंड के आधार पर ऑपरेशन कितना सही ?

पाकिस्तान के मामले में सबसे बड़ा सवाल यही है कि अगर महिला वास्तव में गर्भवती नहीं थी, तो केवल पुरानी अल्ट्रासाउंड रिपोर्ट के आधार पर उसका ऑपरेशन कैसे कर दिया गया? डॉ. नूपुर गुप्ता के अनुसार, गर्भावस्था के आखिरी महीनों में बच्चे की स्थिति और उसकी सेहत का आकलन करने के लिए सिर्फ एक पुराना अल्ट्रासाउंड पर्याप्त नहीं माना जाता। डॉक्टर बच्चे की हार्टबीट की भी जांच करते हैं। जरूरत के अनुसार डॉक्टर या इलेक्ट्रॉनिक फीटल मॉनिटरिंग जैसे तरीकों का इस्तेमाल किया जा सकता है। नाइस की गाइडलाइन के मुताबिक, लेबर के दौरान कुछ विशेष परिस्थितियों में लगातार कार्डियोटोकोग्राफी मॉनिटरिंग की जरूरत पड़ सकती है। इसमें बच्चे की हार्ट रेट और गर्भाशय की गतिविधियों पर नजर रखी जाती है।

वया ऑपरेशन से ठीक पहले अल्ट्रासाउंड किया जाता है ?

कुछ परिस्थितियों में सी-सेक्शन से पहले अल्ट्रासाउंड किया जा सकता है। खासकर तब, जब बच्चे की पोजिशन, प्लेसेंटा या गर्भावस्था की स्थिति को लेकर कोई सवाल हो। नाइस की गाइडलाइन के अनुसार, अगर बच्चा बीच प्रेजेंटेशन यानी उल्टी स्थिति में है, तो सी-सेक्शन से पहले संभव हो तो ऑपरेशन के जितना करीब हो सके, अल्ट्रासाउंड के जरिए बच्चे की पोजिशन की पुष्टि की जानी चाहिए।

इंस्टाग्राम पर अश्लील सामग्री मामला एनाएचआरसी सख्त, मंत्रालय और दिल्ली पुलिस को नोटिस जारी

नई दिल्ली, एजेंसी। इंस्टाग्राम पर बच्चों से जुड़ी यौन शोषण सामग्री के विज्ञापन और प्रसार के गंभीर मामले में राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग ने सख्त रुख अपनाया है। आयोग ने इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय को नोटिस भेजकर दो सप्ताह के अंदर जवाब मांगा है। आयोग ने खास तौर पर मिनिस्ट्री से पूछा है कि क्या मेटा रूल्स, 2021 के तहत ऑनलाइन क्यूरेटेड कंटेंट के पब्लिशर या पब्लिशर के तौर पर उसके रेगुलेटरी दायरे में आता है, जहां भी कंपनी के सिस्टम कंटेंट बनाते, बदलते, क्यूरेट करते, रिकमैंड करते, पब्लिश करते या बढ़ाते हैं।

यह भी जांच का विषय : मानव अधिकार आयोग ने स्पष्ट किया है कि यह मामला केवल अश्लील सामग्री अपलोड करने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह भी जांच का विषय है कि क्या सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म (मेटा) के अपने एल्गोरिदम, सिफारिश प्रणाली और विज्ञापन तंत्र ऐसे आपत्तिजनक कंटेंट को बढ़ावा देने या इससे कमाई (मॉनेटाइजेशन) करने में शामिल है।

राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग के सदस्य प्रियांक कानूनगो ने स्पष्ट किया कि इस मामले में इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने मेटा को नोटिस जारी किया है और दिल्ली



पुलिस की जांच जारी है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर आपत्तिजनक सामग्री और उसके प्रचार-प्रसार को लेकर राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग का रुख बेहद कड़ा हो गया है। आयोग की जांच के दौरान यह बात सामने आई है कि मेटा ऐसी गतिविधियों और कंटेंट मैनेजमेंट सिस्टम में शामिल है, जो उसे सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम की धारा 79 के तहत प्राप्त कानूनी सुरक्षा 'सेफ हारबर' से बाहर लाती है। सदस्य प्रियांक कानूनगो ने इस संबंध में स्पष्ट किया कि यदि कोई प्लेटफॉर्म केवल यूजर-अपलोड की सुविधा देने के बजाय एडिटिंग टूल्स प्रदान करता है, वीडियो या पोस्ट के लिए कैप्शन सजेस्ट करता है और एल्गोरिदम के जरिए कंटेंट को बढ़ावा देता है, तो वह महज एक 'मध्यस्थ' नहीं रह जाता। ऐसी स्थिति में वह 'क्यूरेटेड ऑनलाइन कंटेंट' तैयार करने की श्रेणी में आता है।

अगले साल खत्म हो जाएगा दिल्ली नगर निगम का कार्यकाल, अब गठित हुई एससी समिति

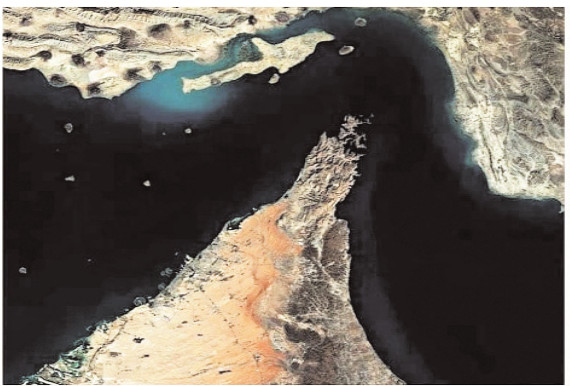


कारण पिछले साल चुनाव स्थगित हो गए थे। जबकि इससे पूर्व स्थानीय समिति का गठन न होने की वजह से इन समितियों का गठन नहीं हो सका था। बृहस्पतिवार को अनुसूचित जाति कल्याण मामलों की समिति का चुनाव तीन बजे तय था जिसमें भाजपा पार्षद और अधिकारी तय समय पहुंच गए थे। चुनाव की प्रक्रिया ठीक तीन बजे शुरू कर दी गई चूंकि निर्विरोध अधिकारी तीन मिनट के भीतर ही चेयरमैन और डिप्टी चेयरमैन को निर्वाचित घोषित कर दिया। इसके बाद बैठक स्थगित कर दी गई तब

ही आप पार्षद बैठक में पहुंचे और चुनाव में धांधली का आरोप लगाकर हंगामा करने लगे। अपने दफ्तर आप पार्षदों की तोड़-फोड़ की महापौर ने की निंदा अनुसूचित जाति कल्याण मामलों की समिति के चुनाव में गड़बड़ी का आरोप लगाते हुए आप पार्षदों ने निगम मुख्यालय में प्रदर्शन किया। इस दौरान प्रदर्शन करते -करते आप पार्षद महापौर के दफ्तर में चले गए। सुरक्षा के मद्देनजर जब सुरक्षा कर्मियों ने गेट बंद किए तो पार्षद गेट तोड़ने हुए महापौर के दफ्तर में घुस गए। इस दौरान आप पार्षदों ने महापौर को घेरकर नारेबाजी की।

इस पर महापौर प्रवेश वाही ने कहा कि चुनाव प्रक्रिया में व्यवधान उत्पन्न करने के बाद आप पार्षदों ने महापौर कार्यालय में दरवाजों और कुर्सियों को नुकसान पहुंचाया तथा वहां तैनात सुरक्षाकर्मियों के साथ धक्का-मुक्काई की। महापौर ने कहा कि उन्होंने स्वयं लोकतांत्रिक भावना का परिचय देते हुए आम आदमी पार्टी के पार्षदों की बात सुनने का प्रयास किया, लेकिन इसके बावजूद उनके साथ भी अभद्र व्यवहार किया गया। वहीं, महिला उप महापौर के सामने आप पार्षदों ने कपड़े उतारने का प्रयास करना निंदनीय है।

ईरान के खिलाफ अमेरिका और यूरोपीय संघ आए साथ: तेल और वित्तीय नेटवर्क पर कसा शिकंजा



वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के ट्रेजरी सचिव स्कॉट बेसेंट ने कहा है कि यूरोपीय संघ आधिकारिक तौर पर ईरान के खिलाफ अमेरिका के नेतृत्व वाले ऑपरेशन इकोनॉमिक आउटकास्ट में शामिल हो गया है। यह अभियान ईरान को अंतरराष्ट्रीय वित्तीय व्यवस्था से अलग करने और उसकी कमाई के उन रास्तों को रोकने पर केंद्रित है, जिनका इस्तेमाल अमेरिका के अनुसार परमाणु कार्यक्रम, हथियारों और आतंकवादी संगठनों के ससंर्धन के लिए किया जाता है। यूरोपीय संघ ने ईरान पर आर्थिक दबाव बढ़ाने की तैयारी जताई है, लेकिन साथ ही कूटनीतिक समाधान और तनाव कम करने पर भी जोर दिया है।

यूरोपीय संघ ने ईरान के खिलाफ क्या रुख अपनाया है: बेसेंट ने कहा कि यूरोपीय संघ ने ऑपरेशन इकोनॉमिक आउटकास्ट में आधिकारिक रूप से शामिल होने की इच्छा जताई है और अमेरिका ने उसके शुरुआती कड़े रुख का स्वागत किया है। ईयू ने कहा कि ईरान को अपने परमाणु और बैलिस्टिक मिसाइल कार्यक्रम पर रोक लगानी चाहिए। साथ ही उस पर क्षेत्र और यूरोप में अस्थिरता फैलाने वाली गतिविधियां रोकने, यूक्रेन में रूस के युद्ध को सैन्य समर्थन बंद करने और अपने नागरिकों के खिलाफ हिंसा तथा दमन खत्म करने का दबाव बनाया गया है।

अमेरिका का ऑपरेशन इकोनॉमिक आउटकास्ट आखिर क्या है: अमेरिका ने पिछले महीने यह अभियान शुरू किया था। इसका मुख्य उद्देश्य ईरान को अंतरराष्ट्रीय वित्तीय नेटवर्क से काटना और उसकी आय के स्रोतों को सीमित करना है। अमेरिका ने ईरान से जुड़े तेल नेटवर्क और प्रतिबंधों से बचने के तरीकों की पहचान करने की बात कही थी। इसके साथ डिजिटल संपत्ति, तकनीक और जहाजरानी से जुड़ी ईरान की गतिविधियों पर भी संभावित प्रतिबंधों के दायरे का विस्तार किया गया है।

डिलीवरी के ऑपरेशन में नहीं मिला बच्चा, सच्चाई जानकर सब रह गए हैरान

कराची , एजेंसी। पाकिस्तान के कराची के एक अस्पताल में गर्भावस्था से जुड़ा हैरान करने वाला मामला सामने आया है। यहां 9 महीने की गर्भवती महिला को डिलीवरी के लिए ऑपरेशन किया गया, लेकिन सर्जरी के दौरान उसके पेट में बच्चा ही नहीं मिला। हैरानी की बात यह है कि अल्ट्रासाउंड रिपोर्ट में महिला की करीब 38 हफ्ते की प्रेग्नेंसी बताई गई थी। मामला सामने आने के बाद परिवार ने अस्पताल पर गंभीर आरोप लगाए हैं।

हालांकि, इस घटना ने एक अहम सवाल खड़ा कर दिया है कि आखिर डिलीवरी के ऑपरेशन से पहले डॉक्टर किन जांचों और क्लिनिकल चेकअप के जरिए यह पुष्टि करते हैं कि महिला वास्तव में गर्भवती है और गर्भ में बच्चा सुरक्षित है।

रिपोर्ट के मुताबिक, पुलिस जांच में सामने आया कि महिला ने अपनी प्रेग्नेंसी की फजी अल्ट्रासाउंड रिपोर्ट तैयार करवाई थी। जांच में यह भी पता चला कि महिला वास्तव में गर्भवती नहीं थी। बताया गया कि परिवार की ओर से उस पर बच्चा कंसीव करने का दबाव था, जिसके चलते उसने कथित तौर पर यह फजी रिपोर्ट बनवाई।

डिलीवरी से पहले कौन-कौन सी जांच

जरूरी? गुरुग्राम स्थित फोर्टिस मेमोरियल रिसर्च इंस्टीट्यूट के प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग की डायरेक्टर डॉ. नूपुर गुप्ता के मुताबिक, जब कोई महिला डिलीवरी के लिए अस्पताल पहुंचती है तो डॉक्टर सबसे पहले उसकी पिछली मेडिकल रिपोर्ट और अल्ट्रासाउंड रिपोर्ट देखते हैं। डॉक्टर यह पता करते हैं कि गर्भावस्था कितने सप्ताह की है, गर्भ में बच्चे की स्थिति क्या है और

बच्चे की हार्टबीट कैसी है। अगर पुरानी मेडिकल रिपोर्ट उपलब्ध नहीं हैं या बच्चे की स्थिति को लेकर किसी तरह का संदेह है, तो महिला की स्थिति के अनुसार जरूरी जांच कराई जाती है। जरूरत पड़ने पर डिलीवरी से पहले उसी समय अल्ट्रासाउंड भी किया जा सकता है। खासकर तब, जब डॉक्टर को बच्चे की पोजिशन, प्लेसेंटा या गर्भावस्था की स्थिति को लेकर कोई चिंता हो।

